



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 18] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 12, 1986/कार्तिक 21, 1908
No. 18] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 12, 1986/KARTIKA 21, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह कृपया संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1986

अधिसूचना

का. वि. प्रा. 20(अ):—केन्द्रीय सरकार, तट रक्षक अधिनियम, 1978 (1978 का 30) की धारा 123 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खण्ड (ख) और (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

भाग 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तट रक्षक (सेवा की शर्तें) नियम 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से तट रक्षक अधिनियम, 1978 (1978 का 30) अभिप्रेत है।

(ख) “बूटिक” से नाविक ब्यूरो का भारमात्रक अधिकारी अभिप्रेत है।

(ग) “तट रक्षक क्षेत्र” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—

(i) पश्चिमी तट रक्षक क्षेत्र, जिसमें, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, राज्यों और मोक, वमन और दीव तथा लक्षद्वीप के संघ राज्य क्षेत्रों के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ भारत के तटीय क्षेत्र और समुद्री क्षेत्र समाविष्ट हैं।

(ii) पूर्वी तट रक्षक क्षेत्र, जिसमें आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, तमिल-नाडु, पश्चिमी बंगाल राज्यों और पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ भारत के तटीय क्षेत्र और समुद्री क्षेत्र समाविष्ट हैं।

(iii) अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का तट रक्षक क्षेत्र जिसमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्यक्षेत्र के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ भारत के तटीय क्षेत्र और समुद्री क्षेत्र समाविष्ट हैं।

भाग 2

सेवा की शर्तें

अध्याय 1

अधिकारी

3. नियुक्ति—(1) केन्द्रीय सरकार ऐसे व्यक्तियों को जिन्हें वह उपयुक्त समझे, तट रक्षक में अधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकेगी,

अधिकारियों की भर्ती विभिन्न प्रवर्गों के अधिकारियों के भर्ती नियमों के अनुसार ही की जायेगी।

(2) भर्ती की प्रक्रिया वह होगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर प्रवर्धित की जाए।

4. स्थानांतरण—(1) सेवा में प्रारंभिक नियुक्ति के पश्चात् अधिकारी, महानिदेशक द्वारा या विनिश्चित सेवा के भीतर स्थानांतरण का दावा होगा। अधिकारियों को, महानिदेशक के मौखिक या लिखित आदेश द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

(2) अधिकारियों को नियुक्ति का चयन करने या उससे इंकार करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(3) किसी नियुक्ति को रद्द कराने के लिए आवश्यक धर्म आवश्यक कारणों के बिना जिनका, पूर्ण रूप से निश्चित उल्लेख किया जाएगा, नहीं किए जाएंगे। यदि कोई अधिकारी ऐसा कोई आवेदन करता है तो उसका कमान अधिकार या उच्चतर अधिकारी यह कबन करेगा कि वह आवेदन को मंजूर करने की सिफारिश करता है या नहीं।

(4) विविध पदों का स्थापन में नियुक्ति के लिए आवेदनों को प्राथमिकीय समझा जाएगा और उन्हें महानिदेशक को प्रेषित नहीं किया जाएगा। किन्तु यदि वो अधिकारी अपनी नियुक्तियों का प्राधान्य-प्रदान करने की वांछा करें और उसके पर्याप्त कारण दिए गए हों तो नियुक्तियों के प्राधान्य-प्रदान के आवेदन संबंधित पदों के कमान अधिकारियों द्वारा यह कबन करते हुए प्रस्तुत किए जा सकेंगे कि उन्हें उस अनुसूची के अनुपालन पर कोई प्राथमिकी नहीं है, किन्तु यदि उन्हें कोई प्राथमिकी है तो उन्हें विनिश्चित किया जाएगा।

(5) कमान अधिकार इस बात का ध्यान रखेगा कि पद से किसी अधिकारी की नियुक्ति या उसके स्थानांतरण के लिए और न ही अनुपस्थिति छुट्टी को इस प्रकार बढ़ाने के लिए कि जिससे उसका वापस आना अनजिम्मेबाध्य हो जाए कोई आवेदन तब तक प्रहृत नहीं किया जाएगा जब तक वह आवेदन पर यह प्रमाणित नहीं कर देता कि वह ऐसे अधिकार के आचरण से संतुष्ट है। नियुक्ति या स्थानांतरण के प्रत्येक आवेदन पर वह यह भी प्रमाणित करेगा कि किसी अवधार के परिणामस्वरूप पद से किसी अधिकारी को हटाने के लिए अनुसूची नहीं किया गया है।

(6) यद्यपि किसी अधिकारी का आचरण ऐसा न भी हो कि तट रक्षक स्थायालय द्वारा कोई अनुशासनिक कार्यवाही की जाए, किन्तु फिर भी उसे उस नियुक्ति के लिए जिसको वह धारण करता है, उदाहरणार्थ, व्यक्ति योग्यता व्यक्तिगत क्वालिटी या आचरण में कभी के कारण अनुपयुक्त समझा जाएगा। जहां उसकी कमियां उसके कमान अधिकार के उसकी मूर्ति के लिए आवेदन करने के लिए बाध्य करे, वहां आवेदन महानिदेशक को भेजने से पूर्व अधिकारी की पूर्णतः सूचित किया जाएगा। आवेदन के साथ अधिकार की रिपोर्ट लगी होगी या आवेदन अधिकारी की रिपोर्ट में समाविष्ट होगा और रिपोर्ट के उन प्रतिकूल भागों को जिनको अधिकारी को सूचित किया गया है, साथ-साथ से रेखांकित किया जाएगा। प्रतिकूल टिप्पणों को, महानिदेशक द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार, अधिकारी को दिखाया जाएगा।

5. उपलब्ध न रहने पर अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट किया जाना—जब कोई अधिकारी किसी कारण से, चाहे जो भी हो, नियोजन के लिए तत्काल उपलब्ध नहीं है तब वह प्राधिकृत क्षेत्रों के माध्यम से महानिदेशक को जानकारी के लिए उस तथ्य की रिपोर्ट करेगा।

6. सेवा का दायित्व—(1) सभी अधिकारी, संघ के किसी अन्य सशस्त्र बल में जो सरकार द्वारा नियोजित की जाए सेवा के दायी होंगे। ऐसी सेवा के लिए चयन करते समय स्वयं सेवकों को अधिमानता दी जाएगी, किन्तु यदि अपेक्षित संख्या में समुचित स्वयं सेवक नहीं पाते हैं किन्तु अन्य नियुक्ति के अधिकारियों को लिया जा सकेगा।

(2) सभी अधिकारी, किसी सिविल या अन्य नियुक्ति में, भारत में या विदेश में, जैसा कि केन्द्रीय सरकार द्वारा नियोजित किया जाए, सेवा के लिए दायी होंगे।

7. कमान अधिकार को हटाया जाना—(1) किसी ऐसे पद के कमान में किसी अधिकारी को, जिसमें उसे समुचित रूप से नियुक्त किया गया है, इसमें इसके पश्चात् उपबंधित के सिवाय, किसी उच्चतर अधिकारी द्वारा, महानिदेशक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं हटाया जाएगा।

(2) जहां परिस्थितियां ऐसी हों कि पद की कमान से किसी अधिकारी को हटाना, लोक सेवा के लिए अति आवश्यक हो जाए और इतना अनिवार्य हो कि उसका महानिदेशक की पूर्व निर्देश करना अनुज्ञात न हो सके वहां वह महानिदेशक जिसके अधीन कमान अधिकार सेवा कर रहा है, महानिदेशक को तत्काल परिस्थितियों की रिपोर्ट करते हुए अधिकारी को हटाने का निर्देश दे सकेगा।

(3) जहां किसी पद को कमान में कोई सिविल रिक्ति होती है वहां संबंधित महानिदेशक महानिदेशक को परिस्थितियों की रिपोर्ट करते हुए ऐसे पद की कमान में किसी उपयुक्त अधिकारी को नियुक्त कर सकेगा।

(4) उपनियम (2) और (3) के अधीन की गई कोई नियुक्ति तब तक अनंतिम होगी जब तक महानिदेशक से अंतिम निर्देश प्राप्त नहीं हो जाते।

8. स्थानीय नियुक्ति और स्थानांतरण—तट रक्षक क्षेत्रों के कमान अधिकारिक परिस्थितियों में क्षेत्र के भीतर कमान अधिकार से भिन्न अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश कर सकेंगे। ऐसे स्थानांतरणों की रिपोर्टें तुरंत महानिदेशक को दी जाएंगी।

9. प्रशिक्षण—(1) सेवा में नियुक्ति होने पर अधिकारी, महानिदेशक द्वारा प्रावधानित प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम प्राप्त करेंगे।

(2) चयन किए गए अधिकारी, सेवा के लिए विहित किए गए विविध पाठ्यक्रमों को प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे।

10. प्रोत्साहन—(1) विभिन्न रैंकों के लिए प्रोन्नति उस प्रकार की जाएगी जो, प्रत्येक रैंक के भर्ती नियमों में विनिश्चित की गई है।

(2) जेडटा, ग्रहेंटाए, प्रोन्नति की प्रक्रिया और विभागीय प्रोन्नति का गठन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर यथा प्रवर्धित होगी।

(3) अधिकारियों को, यथा प्रावधानित भर्ती/अनुज्ञाओं के पूरा करने पर और किसी विविध रैंक में रिक्तियों की उपलब्धता के अधीन रहते हुए, भर्ती उच्चतर रैंक में प्रोन्नत किया जाएगा।

अध्याय 2

नामांकित व्यक्ति

11. भर्ती—महानिदेशक, व्यक्तियों के विभिन्न प्रवर्गों के लिए विनिश्चित भर्ती नियमों के अनुसार सेवा के लिए अपेक्षित नामांकित व्यक्तियों को भर्ती कर सकेगा।

12. सेवा के लिए दायित्व—(1) सभी नामांकित व्यक्ति, जैसा कि महानिदेशक द्वारा नियोजित किया जाए संघ के किसी अन्य सशस्त्र बल में सेवा के लिए दायी होंगे। ऐसी सेवा के लिए चयन करते समय स्वयं सेवकों को अधिमानता दी जाएगी। यदि अपेक्षित संख्या में स्वयं सेवक नहीं पाते हैं तो व्यक्तियों को स्थानांतरित किया जा सकेगा जैसे महानिदेशक द्वारा आवश्यक समझा जाए।

(2) सभी नामांकित व्यक्ति किसी सिविल या अन्य नियुक्ति में, भारत में या विदेश में, जैसा कि महानिदेशक द्वारा निर्देश किया जाए, सेवा के लिए दायी होंगे।

13. नामांकित व्यक्तियों का स्थानांतरण—(1) नामांकित व्यक्ति सेवा भीतर स्थानांतरण के लिए दायी होंगे।

(2) नाविक व्यूरी का नारबाधक अधिकारी, नामांकित व्यक्तियों के स्थानांतरण आदेश जारी करने और सभी नामांकित व्यक्तियों के ठिकानों को संतुष्ट और प्रसन्न रखने के लिए उत्तरदायी होता है।

(3) किसी भी नामांकित व्यक्ति के रैंक पर उसके अन्य पोत में स्थानांतरण के कारण प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, भले ही उस पोत में जिसमें उसका स्थानांतरण किया गया है, कोई समतुल्य रैंक न हो। ऐसी घटनाओं में, व्यक्ति अतिरिक्त रूप में रखा जाएगा।

14. पोत पुस्तिका से सेवाभ्युक्ति—(1) कोई भी व्यक्ति सपनियम (2) में उल्लिखित कारणों के सिवाए, उस महानिदेशक या उस महानिरीक्षक के प्राधिकार के बिना जिसके अधीन वह सेवा कर रहा है, पोत पुस्तिका से सेवाभ्युक्ति नहीं किया जाएगा।

(2) किसी नामांकित व्यक्ति को, मृत्यु, अभिव्यजन, स्थानांतरण, प्रशिक्षण, हस्तांतरण या तट रक्षक व्यासासय के वृद्धावस्था की दशा में उप नियम (1) में यथा उल्लिखित प्राधिकार के बिना पोत पुस्तिका से सेवाभ्युक्ति किया जा सकेगा।

(3) जब तक इसके विपरीत आदेश प्राप्त नहीं हो जाए, पोत पुस्तिका से सेवाभ्युक्ति सभी नामांकित व्यक्तियों को निर्वाहन के लिए नाविक व्यूरी को स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

15. आकाशों में स्थानांतरण—(1) एक आकाश से दूसरी आकाश में स्थानांतरण केवल महानिदेशक के अनुमोदन के अधीन रहते हुए अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(2) महानिदेशक स्थानांतरण के आदेश पर तब तक विचार नहीं करेगा जब तक कि :—

(क) उस आकाश में, जिसमें स्थानांतरण वांछित है, रिक्तियां न हों, और आदेश के लिए नई आकाश में प्रशिक्षण का प्रबंध न किया जा सके।

(ख) आदेश का उसके कमान अधिकार द्वारा अनुमोदन नहीं कर दिया जाता और आदेशक के पास नई आकाश के लिए विनिर्दिष्ट अधिक गहनता और चिकित्सा मानक न हों।

(ग) स्थानांतरण, सेवा के अभ्यया हित में न हो।

(3) एक आकाश से दूसरी आकाश में स्थानांतरण के लिए नामांकित व्यक्तियों के आदेश नाविक व्यूरी के नारबाधक अधिकारी को, आगे महानिदेशक के पास भेजने के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(4) स्थानांतरण उस निम्नतम रैंक में होगा जिसमें व्यक्ति नई आकाश में सहायकतः प्रविष्ट करते हैं, किन्तु उसे महानिदेशक के विवेकानुसार नियमित किया जा सकेगा।

(5) जब स्थानांतरण किसिसीय कारणों से आवश्यक हो, तब नामांकित व्यक्तियों को समतुल्य रैंक में ऊपर उपबंधों के अधीन रहते हुए, स्थानांतरित किया जा सकेगा।

16. प्रशिक्षण—सेवा में भर्ती किए गए व्यक्ति महानिदेशक द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्राप्त करेंगे।

17. प्रोन्नति—(1) नामांकित व्यक्ति, कार्मिक के विभिन्न प्रवर्गों के भर्ती नियमों के उपबंधों के अनुसार प्रोन्नति के पात्र होंगे।

(2) श्रेष्ठता, अनुताप, प्रोन्नति की प्रक्रिया प्रतिवर्तन और विभागीय प्रोन्नति समिति का गठन, केंद्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित का में होगी।

(3) नामांकित व्यक्ति, भर्ती/प्रवर्गों को पूरी करने पर यथा प्रख्यापित और रिक्तियों की उपलब्धता के अधीन रखे हुए, प्रोन्नत किए जाएंगे।

18. सिविल प्राधिकारियों द्वारा बोधसिद्धि के प्रभाव :—जब किसी नामांकित व्यक्ति को किसी सिविल प्राधिकार द्वारा बोधसिद्धि किया जाता है और उसे किसी ऐसे अपराध का कोई संशय भिन्नता है, जिससे भर्ती, सेवा या उसकी हैरियत पर निरुद्ध व्यक्ति कारण करता है, कलंक या बदनामी आती है तब उसकी तट रक्षक मुद्राशयों के महानिरीक्षक के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित साक्षि दी जा सकेगी प्रतीति :—

(क) बहुत अच्छे आचरण की निरंतरता में ब्रेक (ऐसे मामलों में ब्रेक को तारीख बोधसिद्धि की तारीख होगी)।

(ख) प्रगते मूल्यांकन के प्रसार पर निम्नतर आचरण का प्रवि-निर्देश।

अध्याय 3

चरित्र और आचरण का मूल्यांकन

19. चरित्र का मूल्यांकन :—(1) नामांकित व्यक्तियों को नियम 28 में विनिर्दिष्ट अवसरों पर निम्नलिखित निबंधों में से एक से प्रयोज्य कमान अधिकार द्वारा चरित्र का मूल्यांकन किया जाएगा :—

बहुत अच्छा के लिए V.G.

बहुत अच्छा (तारा) के लिए V.G.*

ठीक के लिए Fair

साधारण के लिए Indifferent

अयोग्य के लिए Bad

(2) किस नामांकित व्यक्ति के चरित्र का मूल्यांकन करते समय कमान अधिकार नामांकित व्यक्ति के कार्यपालक अधिकारी और प्रयोग्य अधिकारी से और साथ ही किसी अन्य अधिकारी से जिसे व्यक्ति को विशेष जानकारी हो, परामर्श करेगा। वह, व्यक्ति की सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 28 पर कि अंतिम चरित्र मूल्यांकन की तारीख से सभी प्रविष्टियों और उसके सामान्य चरित्र और प्रवीणता पर पूर्णतः विचार करेगा।

(3) जहां, किसी नामांकित व्यक्ति को अन्य पोत से स्थानांतरित किया गया है या 31 दिसंबर से ठीक पहले जहां पर चढ़े हैं, वहां कमान अधिकार, उसके प्रयोग्य/विभागीय अधिकारियों के टिप्पण पत्र पर और आचरण के मूल्यांकन पर टिप्पणों पर विचार करेगा।

(4) जहां, किसी नामांकित व्यक्ति को किसी पाठ्यक्रम के अस्थायी रूप से स्थानांतरित, किया गया है, और उसे मूल पोत पर वापस आता है, वहां मूल्यांकन, मूल पोत द्वारा किया जाएगा।

(5) किसी नामांकित व्यक्ति को दिया जाने वाला वास्तविक चरित्र मूल्यांकन, नियम 20 से 25 में विनिर्दिष्ट अधिकतम मूल्यांकन पहले अनुमोदित किसी निम्नतर मूल्यांकन के अधीन रहते हुए, कमान अधिकार के विवेक पर होगा। कोई मूल्यांकन जो अधिकतम अनुभव से कम है, उदाहरणार्थ "अच्छा" जब "बहुत अच्छा" या "बहुत अच्छा (तारा)" अनुज्ञेय है या "ठीक" जब "अच्छा" अनुज्ञेय है, तब उसे कमान अधिकार द्वारा रखांकित किया जाएगा जिससे कोई ऐसा प्रश्न न हो सके कि मूल्यांकन जानबूझकर किया गया है। जब ऐसे वैकृतिक मूल्यांकनों पर विचार किया जाता है, तब कमान अधिकार, यह ध्यान में रखेगा कि किसी वैकृतिक मूल्यांकन में नामांकित व्यक्ति के "बहुत अच्छा" आचरण की निरंतरता में ब्रेक प्रदर्शित है और उसका पुरस्कार, भर्ती के प्रवर्धरण और प्रोन्नति के प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

(6) यदि कोई दंडादेश विधिवित किया जाता है तो मूलतः अधिनियमित दंडादेश से अधिकतम चरित्र मूल्यांकन पर जिसके लिए नामांकित व्यक्ति अल्पवा प्राप्त है, प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(7) यदि किसी दंडादेश को कम किया जाता है, तो नामांकित व्यक्ति, कम किए गए दंडादेश को लागू अधिकतम चरित्र मूल्यांकन के लिए पात्र होंगे।

(8) यदि किसी सुप्रीमी आदेश के जारी करने के पूर्व कोई दंडादेश निम्नलिखित हो जाता है तो निम्नलिखित दंडादेश द्वारा चरित्र पर हुए प्रभाव को भी निम्नलिखित समझा जाएगा।

(9) उपनियम (6) से (8) में अपवाद सहित अधिकतम चरित्र मूल्यांकन, दिए गए दंडादेश द्वारा प्राप्त होंगे और अधिनियम, को धारा 103 के अधीन अपराधी द्वारा अज्ञित या सरकार द्वारा दी गई छूट या जेल या निरोध से अपराधी को निर्मुक्ति द्वारा प्रभावित नहीं होंगे।

(10) सिविल प्राधिकारी द्वारा दोषसिद्धि पर चरित्र मूल्यांकन के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि कोई अन्य पारिणामिक तट रक्षक द्वारा निम्नतर चरित्र विरोध से अनुमोदित या नियम 18 के अनुसार किसी सिविल प्राधिकारी द्वारा दोषसिद्धि के परवत शास्ति नहीं दी जाती है।

20. "बहुत अच्छा" — "बहुत अच्छा" किसी भी ऐसे नामांकित व्यक्ति द्वारा, जिसका प्रारंभ पूरे वर्ष में अनुकरणीय रहा हो प्राप्त उच्चतम चरित्र मूल्यांकन है। अतः यह स्वतः किसी ऐसे नामांकित व्यक्ति को अधिनियमित नहीं किया जाएगा जिसका सामान्य आचार, केवल इतने, संतोषप्रद नहीं रहा हो, क्योंकि वह बड़े दंड में वश रहा है।

21. "बहुत अच्छा (तारा)" :—(1) "बहुत अच्छा (तारा)" का विशेषाधिकार, इसलिए दिया जाता है कि जिससे कोई नामांकित व्यक्ति एक भूल द्वारा किसी अपराध निष्कर्षक अभिलेख के कारण दो पुरस्कारों को न खो वे। कमान आफिसर, किसी नामांकित व्यक्ति के चरित्र का, उसके सेवाकाल के दौरान एक बार, इन बातों के होते हुए भी कि एक अच्छे आचरण के क्षेत्र से संबंधित रहने से "बहुत अच्छा" मूल्यांकन से प्रभावित हुआ था, "बहुत अच्छा (तारा)" के रूप में मूल्यांकन कर सकेगा।

(2) यह विशेषाधिकार तब तक अनुपेय नहीं होगा जब तक कमान आफिसर का, उन अपराध के अनिश्चित जिसके परिणामस्वरूप उपनियम (1) में वर्णित दंड हुआ था, नामांकित व्यक्ति के आचार, अचर और कार्य से पूर्णतः समाधान नहीं हो जाता है।

(3) जब किसी अपराधी का दंडादेश सुप्रीमी से पूर्व निर्णित कर दिया जाता है तब दोषसिद्धि होने पर, उसने भूल की है जो "बहुत अच्छा (तारा)" के विशेषाधिकार के अंतर्गत जाने के लिए आशयित है और उसके परिणामस्वरूप ऐसे किसी नामांकित व्यक्ति का उस वर्ष में, जिसमें उसे निम्नलिखित दंडादेश मिला है, चरित्र का मूल्यांकन "बहुत अच्छा" नहीं होगा।

मूल्यांकन निम्नलिखित के अधीन रहते हुए, "बहुत अच्छा" (तारा)*" द्वारा—

(क) पारिणामिक आस्तियों पर दंडादेश के निम्नतम के प्रभाव से संबंधित उपबंध;

(ख) उपनियम (2) और उप नियम (4) के उपबंध;

(ग) वर्ष के दौरान दिए गए किसी अन्य दंडादेश के प्रभाव;

(घ) पूर्ववर्ती "बहुत अच्छा (तारा)" द्वारा प्रभावित न होने पर "बहुत अच्छा (तारा)" का अधिनियम।

(4) ऐसा नामांकित व्यक्ति, जिसे पहले "बहुत अच्छा" से चरित्र मिला है, तब तक रियायत का हकदार नहीं होगा और न ही

और महानिदेशक के पूर्व अनुमोदन से विशेष रूप से उनमें परिवर्तन हुआ है जब तक दंड के रह होने पर उसके पश्चात और केवल तब महानिदेशक के पूर्व अनुमोदन से स्वतः परिवर्तन नहीं होता है।

(5) ऐसा नामांकित व्यक्ति, जिसका पूर्व मूल्यांकन "बहुत अच्छा (तारा)" या उससे नीचे है जिसके चरित्र का उस वर्ष के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है जिसमें उसे निम्नलिखित दंडादेश प्राप्त हुआ है, "अच्छा" उसे उच्चतर चरित्र का मूल्यांकन नहीं होगा।

(6) "बहुत अच्छा (तारा)*" को चरित्र पर विचार करने के सभी प्रयोजनों के लिए "बहुत अच्छा" के समतुल्य समझा जाएगा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी नामांकित व्यक्ति, अपनी सेवा के दौरान एक बार से अधिक ऐसा विशेष प्रतिफल प्राप्त नहीं करेगा। पुरस्कार के सामने तारक खना दिया जाएगा।

(7) किसी नामांकित व्यक्ति को वैयक्तिक मूल्यांकन के रूप में "बहुत अच्छा (तारा)*" प्रदान नहीं किया जा सकेगा, जिसका साधारण व्यवहार, वर्ष के दौरान, कमान आफिसर द्वारा "बहुत अच्छा" मूल्यांकन का, समुचित आधार नहीं समझा गया है।

22. "अच्छा"—(1) नियम 21 के उपबंधों के अधीन रहने हुए "अच्छा" से उच्चतर चरित्र के "बहुत अच्छा" का प्रतिनिर्णय, किसी नामांकित व्यक्ति को नहीं दिया जाएगा, यदि उस अवधि के दौरान जिसके लिए उसका चरित्र मूल्यांकित किया जा रहा है, उसे निम्नलिखित वर्गों में से किसी दंड का अधिनियम हो चुका है, अर्थात्:—

(क) रैक में कटौती;

(ख) एक या एक से अधिक अच्छा आचरण के क्षेत्र से संबंधित रहना।

(ग) 30 दिन से कम के निरोध का कारावास का दंड।

(2) यदि किसी नामांकित व्यक्ति को, वर्ष के दौरान दो या दो से अधिक दंडादेश मिल चुके हैं, तो कमान आफिसर को इस बात का विचार होगा कि वह, यदि आवश्यक समझे तो "अच्छा" से निम्नतर निम्नतर मूल्यांकन कर सकता है। ऐसे निम्नतर मूल्यांकन को रेखांकित किया जाएगा।

(3) किसी ऐसे नामांकित व्यक्ति को, जिसे अनुपयुक्त रूप में सेवोक्त मुक्त किया गया है, "ठीक" से उच्चतर चरित्र नहीं दिया जाएगा।

23. "ठीक"—ऐसे किसी नामांकित व्यक्ति को यदि उस अवधि के दौरान जिसके लिए उसका चरित्र मूल्यांकित किया जा रहा है, निम्न लिखित में से किसी में दंडादेश से दंडादेशित किया गया है, "ठीक" से उच्चतर चरित्र का मूल्यांकन नहीं दिया जाएगा, अर्थात्:—

(क) 31 दिन या उससे अधिक किन्तु 60 दिन से कम के लिए निरोध या कारावास या दोनों का दंडादेश।

(ख) किसी ऐसे प्रतिरिक्त दंड बिना, जिससे उसके चरित्र पर प्रभाव पड़ता हो, पदच्युति।

24. "साधारण"—ऐसे किसी नामांकित व्यक्ति का, यदि उस अवधि के लिए जिससे उसका चरित्र मूल्यांकित किया जा रहा है, निरोध या कारावास या दोनों के लिए 61 दिन या अधिक का दंडादेश दिया गया है, "साधारण" से उच्चतर चरित्र का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

25. "अयोग्य"—केवल सेवोक्त पर उन नामांकित व्यक्तियों के चरित्र को "अयोग्य" मूल्यांकित किया जा सकेगा, जिनमें:—

(क) विशिष्टता चरित्रहीन अपराध के लिए दोषसिद्धि के पश्चात परच्युत या सेवोक्त किया गया है;

(ख) कतिपय पूर्वजन्म "डीक" या "साधारण" चरित्र मूल्यांकन सहित पूर्ववर्ती व्यवहार के, एवं अभिलेख के पश्चात् व्यवहार के लिए पदभूत या सेवोन्मुख किया गया है।

26. चरित्र मूल्यांकन का अभिलेख:—(1) किसी पोट की पुस्तिका में नामांकित प्रत्येक व्यक्ति का चरित्र उसकी सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 23/24 में कमान आफिसर द्वारा लेखबद्ध किया जाएगा, जो अपने हाथ से प्रविष्टि दर्ज करेगा और यथा मूल्यांकित चरित्र की उसी पंक्ति पर निम्न प्रकार से अपने हस्ताक्षर करे—

(क) प्रत्येक वर्ष में 30 दिसम्बर, को, केवल वहाँ के सिवाए जहाँ नामांकित व्यक्ति अभिलेखन के लिए विचारण को प्रतीक्षा कर रहे हैं;

(ख) "Run" चिह्नित किए जाने पर किन्तु यह जब तक पोट पुस्तिका से अंतिम सेवोन्मुखित नहीं होती और तब तक नामांकित व्यक्ति उस वर्ष के 31 दिसम्बर को जिसमें उसे "Run" चिह्नित किया गया है, अभिलेखन में हो।

(ग) सेवोन्मुखित पर, उसके सिवाए जहाँ कारावास के दंडाविष्ट किसी नामांकित व्यक्ति को कारावास से सीधा सिविल जीवन के लिए उन्मुखित होता है।

(2) यदि, उपनियम (1) के खंड (ख) या (ग) के अधीन चरित्र कोई नामांकित व्यक्ति, वर्ष के भीतर सेवा में पुनः सम्मिलित होता है, अभिलेखन या सेवोन्मुखित पर मध्यवर्ती चरित्र का मूल्यांकन होने पर, 31 दिसम्बर को किए गए चरित्र मूल्यांकन के अंतर्गत संपूर्ण वर्ष जाता है। यह वर्ष के अंत में विचारण की प्रतीक्षा करने वाला वापस प्राप्त अभिलेखजक्त को लागू नहीं होगा। उनके चरित्र का मूल्यांकन 31 दिसम्बर को नहीं किया जाएगा।

27. चरित्र का मूल्यांकन (1) नियम 20 से 25 द्वारा अनुज्ञात से भिन्न मूल्यांकनों में, महाविदेशकों के अनुमीचन से संशोधन किया जाएगा, किन्तु वे कमान आफिसर द्वारा, नियम 19 के उपनियम (5) के अनुसरण में, समुचित रूप से किए गए हैं, अंतिम होंगे और तब तक निम्नलिखित बातों में एक पूरी नहीं हो जाती, पुनर्विलोकन के अधीन नहीं होंगे, जब महाविदेशक को पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया जाता है, यर्थात्:—

(क) मूल्यांकन से ऐसा प्रभाव हुआ है, जिसकी पूर्वकल्पना, उस समय नहीं की जा सकती थी जिस समय इसे किया गया था और पश्चात्कर्तृ सेवा की अवधि और कमानिटी पर भी विचार करने पर, अनुचित रूप से कठोर है। इन आधारों पर पुनर्विलोकन के लिए किसी आवेदन को पेंशन के लिए या सेवोन्मुखित पर, यदि पूर्ववर्त हो, समय पूरा करने से पूर्व केवल अंतिम वर्ष के भीतर प्रवेष्टित किया जा सकेगा। किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा जब पेंशन योग्य सेवा के दौरान चरित्र अभिलेख में ऐसा मूल्यांकन, "अच्छा" से निचला या एक मूल्यांकन से अधिक "बहुत अच्छा" उदाहरणार्थ एक "बहुत अच्छा" (तारा) और "अच्छा" को छोड़कर केवल बहुत आपवादिक परिस्थितियों के सिवाए (उदाहरणार्थ) व्यक्तिगत बहादुरी के कार्य को मान्यता देने के कारण) सम्मिलित हैं।

(ख) यह विश्वास करने का अच्छा कारण है कि ऐसा चरित्र मूल्यांकन जो ऐसे उच्चतम मूल्यांकन से निम्नतर है, जो नियम 20 से 25 के अधीन किया जा सकता था; जानबूझकर नहीं किया गया था। इन आधारों पर पुनर्विलोकन के लिए कोई आवेदन मूल्यांकन को समुचित कर दिए जाने के पश्चात् यथासंभव सीधे किया जाएगा। यदि आवेदन, मुक्तिपूर्वक अवधि के भीतर नहीं किया जाता है, तो उसमें विरोध के कारण भी सम्मिलित होंगे

(ग) मूल्यांकन अनुचित था या वह दंड जिससे मूल्यांकन प्रभावित है, अन्यायपूर्ण है या स्वयं में अनुचित रूप से कठोर है या यह दुरन्त प्रभावित करता है। इन आधारों पर पुनर्विलोकन के आवेदन में शिकायत करने के लिए विहित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। कोई ऐसी शिकायत, यथासंभव सीधे जब तथ्य सभी ची सुनिश्चित किए जाने हैं, किए जाएंगे।

(2) केवल, चरित्र मूल्यांकन के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन, जिस पर, किसी नामांकित व्यक्ति के निर्भूक्त होने के पश्चात्, वे जो सेवोन्मुखित पर अंतिम मूल्यांकन से संबंधित है, विचार किया जा सकेगा, और ऐसे आवेदनों पर केवल, यदि प्रतीक सेवोन्मुखित पर, या सेवोन्मुखित की तारीख के पश्चात् 3 मास के भीतर की जाती है, विचार किया जाएगा ऐसा कोई नामांकित व्यक्ति जो अपनी सेवोन्मुखित पर मूल्यांकन से अत्यन्तुष्टि अभि-व्यक्त करता है, तो यह चेतावनी दी जाएगी, कि कोई भी अपील, तीन मास की अवधि के भीतर, महाविदेशक को की जानी चाहिए।

28. आचरण का मूल्यांकन—(1) यदि किसी नामांकित व्यक्ति का आचरण, यदि उसके सेवा में सम्मिलित होने की तारीख से बहुत अच्छा मूल्यांकित किया जाता है तो, इस आचरण की प्रविष्टि, सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 27/28 पर की जाएगी। बहुत अच्छे आचरण को बनाए रखने के लिए अपेक्षित मानक ऐसा नहीं है जैसा कि बहुत अच्छे चरित्र के अधिनियम के लिए है किन्तु उससे उच्चतर और अधिक कठोर है। मानक को बनाए रखने के लिए, किसी व्यक्ति को स्वयं मित्रकर्मकता और आचरण से आचरण करना चाहिए।

(2) किसी व्यक्ति को उसकी सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 23/24 पर यथा मूल्यांकित किसी व्यक्ति के चरित्र द्वारा बहुत अच्छा आचरण नहीं दिया जाता। केवल नियम 29 के उपनियम (1) के खंड (ग) में यथा उपबंधित के सिवाए, और इन नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, उस वर्ष के पश्चात्कर्तृ भाग को जिसके लिए बहुत अच्छा से निम्नतर चरित्र का अधिनियम किया गया है, कमान आफिसर द्वारा, बहुत अच्छा आचरण की अवधि के रूप में सहायता जाएगी।

29. बहुत अच्छे आचरण की निरंतरता में व्यवधान (1) बहुत अच्छे आचरण की निरंतरता में व्यवधान, निम्नलिखित परिस्थितियों के अधीन आवश्यक है,

(क) जब किसी व्यक्ति को पदच्युति, कारावास, निरोध, रैंक में कमी या अच्छे आचरण के बीज से वंचित रहने का दंड दिया जाता है। केवल दोषसिद्धि के तथ्य से, इस तथ्य पर ध्यान दिए बिना कि सुपुर्ण करने से पूर्व दंड निर्वर्जित कर दिया गया है, और उसके पश्चात् भागतः या पूर्णतः माफ कर दिया गया है, अच्छे आचरण की निरंतरता में व्यवधान होगा, यदि, तथापि दंड पूर्णतः अन्त्यपूर्ण साबित हो जाता है, और विनिर्दिष्ट कर दिया जाता है, तो बहुत अच्छे आचरण की निरंतरता में व्यवधान आवश्यक नहीं होगा।

(ख) जब ऐसे कई लघु अपराधों के परिणामस्वरूप जिनमें से किसी के द्वारा भी, बहुत अच्छे आचरण की निरंतरता में व्यवधान अनिवार्य नहीं होता है, जब अच्छे आचरण से निम्नतर वैदिक चरित्र का अधिनियम दिया जाता है।

(ग) जब देय होने पर या आचरण को अवधि के पश्चात् अच्छे आचरण का बीज जानबूझकर नहीं दिया जाता है।

(घ) जब अच्छे आचरण का बीज वापस देने में जानबूझकर विरोध किया जाता है।

(ङ) जब दोषसिद्धि पर, सिविल प्राधिकारी द्वारा, नियम 19 में उल्लिखित प्रास्थितियों में से किसी का अधिनियम दिया जाता है।

(2) अष्टमे आचरण के बीच की निरंतरता में प्रारंभ और व्यवधान सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 27/28 पर विनिर्दिष्ट रूप से लेखबद्ध किया जाएगा।

(3) वह तारीख जिसकी बहुत अष्टमा आचरण से व्यवधान आता है, तो उसके कारणों को, उसके होने के तुरन्त पश्चात्, कारसाधक नाविक बूरो को संज्ञित कर दिया जाएगा।

(4) बहुत अष्टमा आचरण के पुनः प्रारंभ की तारीख को, इसकी निरंतरता में व्यवधान के पश्चात्, संलग्न तारीख के अनुसार सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 27/28 के सम्बन्धित स्तंभ में लेखबद्ध किया जाएगा।

सारणी

आचरण के व्यवधान का कारण	पुनः प्रारंभ की तारीख
(क) कारावास/निरोध	ऐसी जेल/निरोध क्वार्टरों से निर्मुक्ति के पश्चात् अगले दिन से
(ख) जब कारावास/निरोध संशोधन निर्दिष्ट किया जाता है।	निर्वाचन के अगला दिन
(ग) रैंक में कटौती और अष्टमे आचरण के बीच से संबंधित करना	संशोधन की तारीख के पश्चात् अगला दिन
(घ) जब वैधैकिक बरिष्ठ मूल्यांकन किया जाता है	वैधैकिक बरिष्ठ मूल्यांकन करने की तारीख से अगली तारीख
(ङ) जब देय हो, अष्टमे आचरण का बीच न दिया जाना या आस्वयन की अवधि के पश्चात्	जब किसी व्यक्ति द्वारा बहुत अष्टमे आचरण सहित, पुरस्कार के या प्रथम स्थान में बीच के लिए विचार किए जाने के लिए अर्हक होने के लिए आवश्यक सेवा की अवधि पूरी करने के पश्चात् की तारीख से
(च) जब प्रत्यावर्तन में आनवृत्तकर बिलंब किया जाता है।	जब किसी व्यक्ति द्वारा बहुत अष्टमे आचरण सहित प्रथम स्थान में बीच के प्रत्यावर्तन के लिए विचार किए जाने के लिए अर्हक होने के लिए आवश्यक सेवा की अवधि पूरी करने के पश्चात् की तारीख से
(छ) सिविल प्राधिकारी द्वारा शोचनार्थि	शोचनार्थि की तारीख के पश्चात् अगले दिन से।

अध्याय 4

सदाचरण बिल्ले

30. सदाचरण बिल्लों का पुरस्कार इन नियमों के अनुसार सभी अर्हतायुक्त व्यक्ति सदाचरण बिल्लों के पुरस्कार के लिए पात्र होंगे। सदाचरण बिल्ला केवल इस बात के रूप में नहीं दिया गया प्रत्यक्ष किया जाएगा कि कोई व्यक्ति गंभीर ढंग से बच गया है। यदि कमान आफिसर का यह समाधान हो जाता है कि अर्हतायुक्त व्यक्ति इन नियमों के अनुसार पुरस्कार के लिए पूर्ण रूप से अर्हित है और पात्र है, तो उसे एक बिल्ला उस समय प्रदान किया जाएगा जब देय हो। बिल्लों की अधिकतम संख्या, जो कोई अर्हतायुक्त व्यक्ति अपनी सेवा के दौरान प्राप्त कर सकेगा, तीन होगी।

31. सेवा अर्हता—(1) इसके पहले कि किसी व्यक्ति पर सदाचरण बिल्ला पुरस्कार के लिए विचार किया जाए, यह निम्नलिखित अर्हक सेवा अवधि अवधि पूरी कर-ली हो:

(क) प्रथम सदाचरण बिल्ला के लिए

4 वर्ष

(ख) द्वितीय सदाचरण बिल्ला के लिए

8 वर्ष

(ग) तृतीय सदाचरण बिल्ला के लिए

12 वर्ष

(2) तटस्थता की पूरी सेवा को, केवल उस समय को, जिसके लिए बेलन अनुज्ञात नहीं है, उदाहरणार्थ, कारावास, निरोध, अभिव्यजन, अभिव्यजन संबंधी विचारण की प्रतीक्षा करने, असाधारण छुट्टी के दौरान या उस समय को, जिसके दौरान कोई व्यक्ति किसी कारण से सेवा से बाहर रहा है, छोड़कर, अर्हक सेवा के रूप में सम्पादित किया जाएगा।

टिप्पण: चिकित्सीय प्रमाणपत्र पर या व्यक्ति की सिविल अवस्था की वजह से कार्यभार ग्रहण करने में असमर्थता के कारण संजूर की गई असाधारण छुट्टी को अर्हक सेवा के रूप में सम्पादित किया जाएगा।

32. आचरण अर्हता—अर्हक सेवा के अतिरिक्त कोई बिल्ला पुरस्कार के लिए विचार किए जाने से पहले कोई व्यक्ति आचरण द्वारा भी अवश्य अर्हित हो गया हो। प्रत्येक बिल्ला पुरस्कार के लिए न्यूनतम अवधि, बिल्ला दिए जाने के ठीक पूर्ववर्ती संगणनायोग्य सेवा के दो वर्ष के दौरान निरंतर बहुत अष्टमा आचरण है।

33. अतिरिक्त अर्हताएं—नियम 31 और नियम 32 में अधिकृत विनिर्दिष्ट बातों के अतिरिक्त, किसी व्यक्ति के पास पूर्ववर्ती, बिल्ला/बिल्ले यथास्थिति, वित्तीय या तृतीय बिल्ला दिए जाने से ठीक पहले वास्तविक सेवा के 12 मास तक सम्बन्धित रूप से निरंतर रहा है/रहे हैं।

34. पुरस्कार या आस्वयन के संबंध में कमान आफिसर का विनिश्चय (1) जब कोई व्यक्ति इन नियमों के अनुसार विचार किए जाने के लिए अर्हित हो जाता है तब कमान आफिसर बिल्ला दिए जाने के लिए विचार करेगा। चाहे वह व्यक्ति इस के लिए आवेदन करे या न करे। यदि कमान आफिसर यह विनिश्चय करता है कि व्यक्ति ने आचरण का अपेक्षित मान बनाए रखा है और वह सब बाधत बिल्ला के लिए योग्य है, तब वह देय तारीख से बिल्लाप्रदान करेगा और अपने विनिश्चय को सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 4 पर और उपाबंध में यथावस्थित सदाचरण बिल्ला विवरणी में विलेखित करेगा। नाविक बूरो के कारसाधक आफिसर द्वारा सम्यक रूप से सम्पादित सदाचरण बिल्ला विवरणी के प्राप्त होने पर, विवरणी में की गई पुष्टि के अनुसार पुरस्कार की तारीख को सेवा-पुस्तिका के पृष्ठ 4 पर स्थायी से अभिलिखित किया जाएगा।

(2) यदि किसी बिल्ला पुरस्कार के संबंध में विचार करने के पश्चात् कमान आफिसर यह विनिश्चय करता है कि व्यक्ति आवश्यक स्तरमान तक पहुंचने में स्पष्ट रूप से असफल हो गया है (उसका विनिश्चय बहुत अष्टमा आचरण की निरंतरता में गंभीर रूप में प्रभावी होना), तो कमान आफिसर का बिल्ला न दिया जाने वाला विनिश्चय उस व्यक्ति की सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 4 पर पैरा 15 के साथ अभिलिखित किया जाएगा। बहुत अष्टमा आचरण में गंभीर और बहुत अष्टमा आचरण के पुनः प्रारंभ होने की तारीख की सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 27/28 पर अभिलिखित किया जाएगा। यह प्रविष्टि साथ स्याही से की जाएगी और उस पर कमान आफिसर हस्ताक्षर करेगा।

(3) किन्तु, सम्बन्धित मामलों में, बिल्ला का दिए जाने का विनिश्चय करने के बजाय कमान आफिसर उस व्यक्ति को कम से कम 3 मास या अधिक से अधिक 6 मास की अवधि के पश्चात् अपने समक्ष पुनः उपस्थित होने का आदेश दे सकेगा। विनिश्चय की सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 4 पर पैरा 15 के साथ लिखा जाना चाहिए और इस अवधि के दौरान उस व्यक्ति को प्रोन्नति रैंक में नहीं की जाएगी।

(4) यदि कमान आफिसर आस्वयन अध्याय के अंत में यह विनिश्चय करता है कि अब यह माना जा सकता है कि उस तारीख के पूर्व-वर्ती दो वर्ष के दौरान व्यक्ति का आचरण अर्हक स्तरमान तक पहुंच गया

है तो जिल्ला ऐसे व्यक्ति के विनिर्णय की तारीख से दिया जाएगा और सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 4 पर की गई प्रविष्टि को यह उपर्युक्त करने के लिए रेखांकित किया जाएगा कि भारस्वयं कार्य था।

(5) यदि भारस्वयं अवधि के अंत में कमान अधिकार यह विनिर्णय करता है कि व्यक्ति का आचरण सभी भी अपेक्षित स्तरमान के नीचे है, तो उसके बहुत अच्छा आचरण की निरंतरता को उस दिन संग के रूप में माना जाएगा जिसको यह प्रथमः पुरस्कार के विचारार्थ प्रहित हुआ। बहुत अच्छा आचरण के कारण की गई तारीख को, अर्थात् उस दिन को, जिसके पश्चात् यह व्यक्ति प्रथमः, विचारार्थ प्रहित हुआ, सेवा-पुस्तिका के पृष्ठ 27/28 पर जाल स्थानों से प्रविष्टि किया जाएगा और उस पर कमान अधिकार हस्ताक्षर करेगा।

(6) किसी ऐसे व्यक्ति की जिसे एक या अधिक ऐसे छोटे दंड मिले हैं जिनमें पुरस्कार के ठीक पूर्ववर्ती की कर्म के दौरान बहुत अच्छा आचरण की निरंतरता में संग अन्तर्भावित नहीं है, ऐसे होने पर भी जिल्ला के योग्य समझा जाएगा, यदि उसका संचारण आचरण और व्यवहार अपेक्षित स्तरमान का हो। इसके विपरीत, यद्यपि किसी व्यक्ति को कोई दंड न मिला हो, फिर भी कमान अधिकार, उसे कुछ परिस्थितियों में अग्रिम स्तरमान के नीचे मान सकता है।

(7) किसी व्यक्ति को संचारण जिल्ला से संबंधित किए जाने से पहले कमान अधिकार को सबैव यह अभिनिश्चित करना चाहिए कि क्या उसे कोई जिल्ला पुरस्कार के योग्य है, और यदि उसे योग्य है तो कमान अधिकार को उस अवसर के, जो उस व्यक्ति पर प्रारोपित है, किए जाने से पहले, उसके आचरण के प्रतिनिधियों से जिल्ला पुरस्कार के लिए विचार करना चाहिए। यदि व्यक्ति का आचरण ऐसे पुरस्कार के योग्य है, तो कमान अधिकार को वे संचारण जिल्ला देना चाहिए। उसके पश्चात् मामले के दृष्टांत के आधार पर किसी जिल्ला या जिल्लों से संबंधित किए जाने के प्रश्न पर विचार किया जाएगा।

35. संचारण जिल्ला विधायी—(1) कमान अधिकार उस में दिए गए फार्मेट के अनुसार पोल की पुस्तकों में चढ़े हुए कार्मिक को दिए गए संचारण जिल्लों को उपस्थित करते हुए एक विधायी दो प्रतियों में नाविक ब्यूरो के भारस्वयं अधिकार को प्रत्येक मास की बहुली तारीख को देगा।

(2) नाविक ब्यूरो के भारस्वयं अधिकार संचारण करने के पश्चात् विधायी की मूल प्रति को कमान अधिकार को लौटा देगा।

36. कमान अधिकार द्वारा पुरस्कार अतिरिक्त माना जाएगा—

इन नियमों के अनुसार कमान अधिकार द्वारा प्राधिकृत जिल्ला पुरस्कार या उसके प्रत्यर्पण को (जो नाविक ब्यूरो के भारस्वयं अधिकार द्वारा सम्बन्धित रूप से स्थापित हो) अतिरिक्त माना जाएगा और महानिदेशक के पूर्व अनु-मोदन के बिना उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

37. संचारण वेतन—इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार संचारण जिल्ला के विधायित व्यक्ति पुरस्कार/पुरस्कारों से संलग्न संचारण वेतन का हकदार होगा।

38. जिल्लों के पुरस्कार में गलतियाँ—यदि कोई जिल्ला गलत तारीख से दिया गया है या उसका प्रत्यर्पण किया गया है तो वह अर्द्धक अवधि जिसके दौरान वह जिल्ला कोई और जिल्ला दिए जाने या प्रत्यर्पण किए जाने से पहले प्रारित किया गया है, उस ठीक तारीख से प्रारम्भ होगी जिससे उस पूर्ववर्ती जिल्ला दिया जाना या प्रत्यर्पण किया जाना चाहिए। यदि गलत पुरस्कार दिए जाने के परिणामस्वरूप कोई अति संभाव्य किए गए ती उनकी बचती नहीं की जाएगी।

39. पहले की गई सेवा की संगणना—(1) ऐसे अतिरिक्त नौसेना कार्मिक को, जिन्हें सेवाओं के तदनुसार में प्रत्यर्पित कर लिया गया है। नौसेना में उनके द्वारा उपाधित संचारण जिल्लों से संगणना की अनुज्ञा दी जाएगी। उन्हें तदनुसार में अधिकतम 3 संचारण जिल्लों के समान रखे हुए संचारण जिल्ला पुरस्कार के लिए पहले की गई उनकी सेवा की संगणना करने की भी अनुज्ञा दी जाएगी।

किन्तु अतिरिक्त नौसेना कार्मिक से भिन्न अतिरिक्त कार्मिक इन जिल्लों के पुरस्कार के लिए अपनी अवधि की संगणना तदनुसार सेवा में प्रवेश की तारीख से करेंगे।

(2) पुनः नियोजित नौसेना कार्मिक को, संचारण जिल्लों के पुरस्कार के लिए पहले की गई सेवा का कोई फायदा नहीं मिलेगा। वे इन जिल्लों के पुरस्कार के लिए अपनी अवधि की संगणना तदनुसार में प्रवेश की तारीख से करेंगे। किन्तु उन्हें नौसेना में उपाधित संचारण जिल्ला (जिल्लों) अर्थात् की अनुज्ञा किसी अधिकार के बिना दी जाएगी। ऐसे व्यक्ति द्वारा वे जिल्लों नहीं संगणित जाएंगे जिन्हें निरोध या रैंक में अवरोध या किसी निम्नतर रैंक में जाने का दंड दिया गया है। नियम 40 के उप-नियम (2) के अनुसार इन जिल्लों को पुनः संगणित जा सकेगा।

40. संचारण जिल्ला, द्वा प्रत्यर्पण देना—(1) संचारण जिल्लों के प्रत्यर्पण पर सब विचार किया जा सकेगा जब वह देय हो, चाहे वह व्यक्ति सेवा करे या न करे। संचारण जिल्ला पुरस्कार के लिए नियम 34 के उपनियम (1) में दी गई प्रक्रिया का अनुपालन किया जाएगा।

(2) छह मास के बहुत अच्छा आचरण से एक जिल्ला पुनः प्राप्त किया जा सकेगा और अतिरिक्त जिल्लों के मामले में पूर्ववर्ती प्रत्यर्पण की तारीख से 6 मास की और अवधि संगणित की जाएगी। यदि किसी व्यक्ति को पहली बार पुरस्कार से संबंधित किए जाने के पश्चात् सेवा के तीन वर्ष के भीतर दूसरी बार संबंधित किए जाने का दण्डार्थ विचार गया है तो प्रथम प्रत्यर्पण के लिए अर्हता 12 मास और प्रत्येक पश्चात्वर्ती प्रत्यर्पण के लिए छह मास होगी।

(3) पुरस्कार के प्रयोजनों के लिए दिन अवधि की संगणना नहीं की जाती है उसकी संगणना जिल्लों के प्रत्यर्पण के लिए की नहीं की जाएगी।

(4) यदि कोई व्यक्ति उन समय तक जब प्रत्यर्पण सामान्यतया देय हो, आचरण के अपेक्षित स्तरमान तक पहुंचने में असफल हो गया है तो यह कमान अधिकार के विवेकाधिकार के भीतर होगा कि वह जिल्ला के प्रत्यर्पण में विलम्ब कर दे। जब इस उपनियम के अधीन जिल्ला के प्रत्यर्पण में विलम्ब किया जाता है तब बहुत अच्छा आचरण की निरंतरता को, उस व्यक्ति द्वारा बहुत अच्छा आचरण छह मास या बारह मास पूरा करने की तारीख को, संग माना जाएगा और उसके अगले दिन से अर्हता की नई अवधि प्रारम्भ होगी। यह प्रक्रिया की तब तक पुनरावृत्ति की जाएगी जब तक कि अपेक्षित आचरण स्तरमान प्राप्त नहीं कर लिया जाता। इस तथ्य को कि किसी जिल्ला के प्रत्यर्पण में विलम्ब की गई है, व्यक्ति की सेवा पुस्तिका के पृष्ठ 4 पर लिखा जाएगा।

(5) जब सामान्य तारीख के पश्चात् किसी जिल्ला के प्रत्यर्पण किया जाता है, तब सेवा पुस्तिका में प्रत्यर्पण के तथ्य को यह उपस्थित करने के लिए रेखांकित किया जाएगा कि प्रत्यर्पण में विलम्ब कर विलम्ब किया गया है।

अध्याय 3

वर्ष न्यायालयों और तट रक्षक न्यायालयों में विधिक सलाह काउन्सेल की नियुक्ति और कामिक की प्रतिरक्षा, ऐसे मामले जिनमें तट रक्षक अभियोजन में हितबद्ध है :—

41. ऐसे मामलों में जिनमें तट रक्षक वित्तीय रूप से या अन्यथा किसी बंद न्यायालय में किसी अपराधी के अभियोजन में (जहाँ तट रक्षक अधिनियम, 1978 के अधीन हो या नहीं) प्रत्यक्ष रूप से हितबद्ध है, निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा :—

(क) या तो राज्य सरकार का महाधिवक्ता, जहाँ अभियुक्त पर अभियोजन है, या जब अभियोजन तट रक्षक मुख्यालय से प्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित है, भारत सरकार का अधिवक्ता/काउन्सेल को प्रतिनियुक्त किया जाता चाहिए जो यदि आवश्यक हो, राज्य के अनुसार जहाँ अभियोजन का संवापन किया जा रहा है महाधिवक्ता या सरकारी अधिवक्ता से और सलाह लेता;

(ख) कोई भी अभियोजन निश्चित में पर्याप्त विधिक सलाह के बिना संस्थित नहीं किया जाएगा और कोई भी अभियोजन, केन्द्रीय सरकार को निर्णय किए बिना ऐसी रीति से जो ऐसी विधि सलाह के प्रतिकूल हो, संस्थित नहीं किया जाएगा या वापस नहीं लिया जाएगा;

42. अभियोजन अभिकरण—ऐसे मामलों में अभियोजन साधारणतया लोक अभियोजक, पुलिस विभाग का अभियोजन स्टाफ सरकारी लोडर या संबंधित राज्य सरकार के अन्य विधि अधिकारी द्वारा संवाहित किया जाएगा और उस मामले में अभियोजन का व्यय सामान्य अनुक्रम में सरकार द्वारा किया जाएगा।

43. ऐसे मामले जिनमें सरकारी अधिवक्ता अभियोजन का जिम्मा नहीं ले सकता :—

किन्तु जब सरकारी अधिवक्ता या संबंधित राज्य सरकार के अन्य विधिक अधिकारी की नियुक्ति के मामले की प्रकृति कारण या किसी अन्य कारण से साध्य नहीं है और सरकारी अधिवक्ता, जिससे परामर्श किया गया है, यह सलाह देता है कि विशेष काउन्सेल को नियोजित किया जाए, तब संबंधित सरकारी अधिवक्ता की सलाह पर उक्त काउन्सेल की यात्रा और वैयक्तिक भर्त्स महानिदेशक द्वारा, जिसने काउन्सेल को औपचारिक रूप से नियुक्त किया है मंजूर किए जा सकेंगे।

महानिदेशक, महाधिवक्ता या केन्द्रीय सरकार के अधिवक्ता, रीति द्वारा की जाने वाली अभ्यावेक्षा पर न्यायालय फीस, आदेशिका फीस और बीसे ही अन्य से संबंधित व्यय को पूरा करने के लिए भी सहाय्य है।

44. फीस तय करना—अस्तित्वित कुल लागत के प्राकलन के साथ तय पाई गई फीस की रकम के बारे में केन्द्रीय सरकार को तुरंत रिपोर्ट दी जाएगी। मामले की समाप्ति पर, परिणाम की और व्यय के पूर्व विवरण की एक रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को भेजी जाएगी।

45. अभ्यावेक्षित व्यक्तियों की प्रतिरक्षा के लिए प्रक्रिया—वांछिक अपराधी से आरोपित अभ्यावेक्षित व्यक्तियों की प्रतिरक्षा और वांछिक न्यायालयों में सरकार द्वारा अभियोजन के लिए निम्नलिखित नियम हैं :—

(क) जब अभ्यावेक्षित व्यक्तियों का विचारण किसी वांछिक आरोपी पर किसी वांछिक न्यायालय द्वारा किया जाता है तब महानिदेशक या प्रादेशिक कमांडर मुख्य महानगर/मुख्य न्यायिक सत्रिस्ट्रेट से परामर्श करेगा और अधिवक्ता के बयन और पारिश्रमिक के लिए उसके साथ मिलकर व्यवस्था करेगा।

(ख) विचारण उन मामलों के, जिनमें केन्द्रीय सरकार हितबद्ध है, अधिवक्ता को भगतान की जाने वाली अधिवक्ता रकम केन्द्रीय सरकार द्वारा नियत की गई सरकारी अधिवक्ता की संदेय रकम से अधिक नहीं होगी।

(ग) किसी संयुक्त विचारण में, जब महानिदेशक या प्रादेशिक कमांडर का समाधान हो जाए कि अभियुक्त की प्रतिरक्षा की भिन्न रीतियाँ अस्तित्व में हैं वह दो प्रकार प्रतिरक्षा की जा जाने प्रत्येक अभियुक्त के लिए कीत का पृथक् मंदाय प्राधिकृत कर लेगा।

(घ) अभ्यावेक्षित महानिदेशक या प्रादेशिक कमांडर केवल उन मामलों में जहाँ वह वांछनीय समझे, किसी अधिवक्ता को नियुक्त करेगा। अधिवक्ता संशय की जाने वाली रकम को, उचित अधिवक्ता के अधीन रहते हुए निश्चित करने पर वह किसी भी मामला जाएगा यदि इन नियमों के मरीत अनुक्रम पारिश्रमिक पर उपयुक्त अधिवक्ता अभिप्राय नहीं किया जा सकता है, तो इस मामले की रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को इस पर उनके आदेश अभिप्राय करने की दृष्टि से की जाएगी।

(ङ) ऐसे उच्च न्यायालयों में, जिनमें कमिश्नर प्रदेन एक सानिखित नियुक्त किया जाए और उनके व्यय का बिल जिसके अन्तर्गत उपरोक्त खंड (ख) में अधिकृत निशुल्कों के अधीन रहते हुए अधिवक्ताओं की कीत भी है, सरकार के आदेश के लिए प्रस्तुत करने से पूर्व उसे केन्द्रीय सरकार के अधिवक्ता के पास भेजा जाएगा और उसका यह प्रमाणित अभिप्राय किया जाएगा कि बिल की रकम उचित है।

(च) जब किसी वांछिक न्यायालय में प्रथम विचारण पर किसी अभ्यावेक्षित व्यक्ति की ठीक प्रकार से प्रतिरक्षा के लिए अधिवक्ता का प्रबन्ध किया गया हो, तो उपरोक्त खंड (ख) और (घ) में अधिकृत सीमा के अधीन रहते हुए, अपील में भी, जब यह आवश्यक समझा जाए, काउन्सेल का प्रबन्ध किया जा सकता है।

46. अधिकारियों की प्रतिरक्षा के लिए प्रक्रिया—जब किसी अधिकारी का किसी वांछिक आरोपी पर किसी वांछिक न्यायालय द्वारा विचारण किया जाता है और अधिकारी की प्रतिरक्षा वांछनीय समझा गया है तब मामले के बारे में सरकार के आदेश अभिप्राय करने के लिए उसका रिपोर्ट महानिदेशक को की जाएगी।

47. तट रक्षक न्यायालयों में अभियोजन के लिए काउन्सेल की नियुक्ति—यदि महानिदेशक या प्रादेशिक कमांडर जो तट रक्षक न्यायालय संयोजित करता है, किसी अभियुक्त के अभियोजन के लिए किसी काउन्सेल को नियुक्त करना आवश्यक समझता है तो नियम 41 से 46 के अनुसार किसी उपयुक्त काउन्सेल की नियुक्ति की जाएगी।

अध्याय 3

सेवा विशेषाधिकार

कुर्की से उन्मुक्ति—

48. तट रक्षक सेवा में के किसी व्यक्ति, जब तक वह अधिनियम के अधीन है, के विरुद्ध प्रवर्तनीय किसी प्राप्ति, बिजो या आदेश की बाबत किसी न्यायालय के प्राधिकारी, या लोक सेवक, द्वारा जारी की गई किसी आदेशिका या निदेश के अधीन उसके प्राप्ति, कल, उपकरण, राज-सामान या आवश्यक वस्तुओं का अभियुक्त नहीं किया जाएगा, त ही उक्त व्यक्ति के वेतन और भत्तों या उसके किसी भाग की कुर्की की जाएगी।

49. अदालत के लिए गिरफ्तारों से अनुमति:—(1) तट रक्षक सेवा में कोई भी व्यक्ति जब तक वह इस अधिनियम के अधीन है, किसी न्यायालय के प्राधिकारी या लोक सेवक द्वारा जारी की गई आदेशिका या निदेश के अधीन अदालत के लिए गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

(2) यदि किसी ऐसे व्यक्ति को उपनियम (1) के उपबन्धों के उल्लंघन में गिरफ्तार किया जाता है तो ऐसा न्यायालय या लोक सेवक, जिसके द्वारा या जिसके प्राधिकार द्वारा ऐसा आदेशिका या निदेश जारी किया गया था, गिरफ्तार, किया जाय, व्यक्ति द्वारा या उसके बरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शिकायत करने पर मामले को जांच करेगा और यदि यह समाधान हो जाता है कि गिरफ्तारी अधिनियम (1) के उपबन्धों में की गई थी, तो वह गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को तुरंत उन्मोचित किए जाने का आदेश देगा और शिकायतकर्ता को शिकायत करने पर हुआ खर्चा विलवा सकेगा जो उसी रीति से वसूली होगा मानों ऐसा खर्चा ऐसे व्यक्ति जिसकी प्रेरणा पर ऐसा आदेशिका या निदेश जारी किया गया था, के विरुद्ध किसी डिक्री द्वारा उसे दिया गया था।

(3) उपनियम (2) के अधीन की गई किसी शिकायत पर या उस उपनियम के अधीन विचारण गए बर्तों की वसूली के लिए कोई न्यायालय फीस संवेय नहीं होगी।

50. तट रक्षक न्यायालय में उपस्थित होने वाले व्यक्तियों की गिरफ्तार किए जाने से अनुमति:—

(1) तट रक्षक न्यायालय का कोई भी पीछासीन अधिकारी या अन्य सदस्य तट रक्षक न्यायालय के समक्ष किसी कार्यवाही का कोई भी विधि अधिकारी, पञ्चकार या ऐसे पञ्चकार का कोई भी अधिकारता या अधिकर्ता, और तट रक्षक न्यायालय में मनन के अनुपालन में हाजिर होने वाला कोई भी साथी, तट रक्षक न्यायालय में जाने, हाजिर होने और वहाँ के सौदने के दौरान किसी सिविल या राजस्व आदेशिका के अधीन गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

(2) यदि कोई ऐसा व्यक्ति, किसी ऐसी आदेशिका के अधीन गिरफ्तार किया जाता है, तो वह तट रक्षक न्यायालय के आदेश से उन्मोचित किया जा सकेगा।

51. तट रक्षक सेवा में के व्यक्तियों से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए पूर्णिकर्ता:—(1) तट रक्षक सेवा में के किसी व्यक्ति, जब तक वह अधिनियम के अधीन है, द्वारा या उसकी ओर से, किसी सिविल या वाणिज्य या राजस्व न्यायालय के समक्ष, ऐसे न्यायालय में हिसे वाद या अन्य कार्यवाही का अभियोजन करने या प्रतिवाद करने के प्रयोजनार्थ उसकी समुचित तट रक्षक प्राधिकारी से अनुपस्थित होने की इजाजत दिए जाने या इसके लिए उसके द्वारा आवेदन किए जाने या प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने पर, न्यायालय ऐसे व्यक्ति के आवेदन पर, गण्यमान्य ऐसे वाद या अन्य कार्यवाही की सुनवाई या अन्तिम सुनवाई के लिए व्यवस्था मंजूर की गई या आवेदन इजाजत की शर्तों के भीतर करेगा।

(2) समुचित तट रक्षक प्राधिकारी से प्रमाणपत्र में मंजूर की गई या आवेदित इजाजत की अवधि के पहले और अन्तिम दिन का उल्लेख होगा और उस मामले का वर्णन होगा जिसकी बाबत इजाजत दी गई है या उसके लिए आवेदन किया गया है और वह ऐसे प्राधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित तथा अनुप्रमाणित होगा।

(3) न्यायालय को किसी ऐसे प्रमाणपत्र को प्रस्तुत करने या ऐसे व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से उनके मामले में सुनवाई के लिए पूर्णिकर्ता के लिए किसी आवेदन की वास्तविक कोई फीस संवेय नहीं होगी और ऐसा प्रत्येक प्रमाणपत्र उममें की अनुरूपता की शुद्धता का निश्चयायक साध्य होगा।

1101 GI/86--2

(4) जहाँ न्यायालय या पूर्णिकर्ता मंजूर की गई या आवेदित इजाजत की अवधि के भीतर वाद या अन्य कार्यवाही को सुनवाई और अन्तिम निपटारा के लिए कोई व्यवस्था करने में असमर्थ हो, तो वह ऐसा न कर सकने के अपने कारणों को अभिलिखित करेगा और उसकी एक प्रति ऐसे व्यक्ति को उसके द्वारा आवेदन करने पर, ऐसी प्रति के लिए आवेदन या उस प्रति की वापस किसी भी प्रकार के संदाप के बिना विलवाएगा।

52. वांछिक न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय का आदेश की प्रतियाँ अभिप्राप्त करने का महानिदेशक या कमान आफिसर का अधिकार:—ऐसा न्यायालय, जिसके समक्ष तट रक्षक सेवा में के किसी व्यक्ति, जब तक वह अधिनियम के अधीन है, के विरुद्ध कोई कार्यवाही की गई है, व्यक्ति के महानिदेशक या कमान आफिसर द्वारा आवेदन किए जाने पर, मामले के निर्णय और अन्तिम आदेश की प्रतियाँ अभिलिखित और निशुल्क देगा।

अध्याय-7

वेतन और भत्तों से कटौती

53. वेतन प्राप्ति से कटौती तब तक नहीं की जाएगी जब तक प्राधिकृत न किया गया हो—इन नियमों द्वारा प्राधिकृत कटौतियों से भिन्न कोई भी कटौती तट रक्षक के आफिसरों और अभ्यावेष्टित व्यक्तियों को वेतन, पेंशन, उपदान भत्ते और अन्य फायदों से नहीं की जाएगी।

54. वेतन और भत्तों से कटौती:—निम्नलिखित कटौतियाँ, अधिनियम के अधीन किसी व्यक्ति के वेतन और भत्तों से, तट रक्षक न्यायालय या कमान आफिसर द्वारा विचारण किए बिना भी की जा सकेंगी अर्थात्:—

(1) इजाजत के बिना अनुपस्थिति के प्रत्येक दिन के लिए सभी वेतन और भत्ते, जब तक कि ऐसी अनुपस्थिति के लिए कमान आफिसर के समाधानप्रद रूप में स्पष्टीकरण न दे दिया गया हो और आफिसर के मामले में महानिदेशक द्वारा और अन्य के मामले में उस उप महानिरीक्षक द्वारा जिसके अधीन वह अभ्यावेष्टित व्यक्ति सेवा कर रहा है अनुमोदित न कर दिया गया है।

परन्तु उस व्यक्ति के संबंध में तट रक्षक न्यायालय या उस व्यक्ति के कमान आफिसर द्वारा उसकी अनुपस्थिति के लिए कार्यवाई न की गई हो।

(2) उस प्रत्येक दिन के लिए सभी वेतन और भत्ते, जब तक किसी ऐसे अपराध के आरोप में सिविल, वांछिक या तट रक्षक अभिरक्षा में है जिसके लिए बाब में वह कमान आफिसर या तट रक्षक न्यायालय या वांछिक न्यायालय द्वारा सिद्धोप ठहराया गया है और कारावास या निरोध के लिए वंडादिष्ट किया गया हो।

(3) उस प्रत्येक दिन के लिए सभी वेतन और भत्ते, जब वह ऐसी बीमारी के कारण अस्पताल में हो जो कमान आफिसर या उस अस्पताल के भारसाधक चिकित्सा अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हो जहाँ व्यक्ति की भर्ती की गई हो और ऐसी बीमारी अधिनियम के अधीन वैद्यकीय किसी अपराध की कोटि में आने वाले कार्य से कारित हुई हो:

परन्तु ऐसा प्रमाणपत्र, आफिसरों के मामले में महानिदेशक द्वारा और अभ्यावेष्टित व्यक्तियों के मामले में उप महानिदेशक द्वारा स्वीकृत कर दिया जाता है।

(4) अधिनियम के अधीन किसी व्यक्ति के वेतन और भत्तों की प्रतिपूर्ति के लिए अपेक्षित ऐसी राशि जिसे उसमें अभिधिपूर्ण रूप से प्रतिवाचित किया है या संवाय करने से इन्कार कर दिया है।

(5) किसी सरकार संपत्ति या तट रक्षक या रक्षा सेवा, मेम, बैट या संस्था की संपत्ति की हानि, नुकसान या उसके लब्ध हो जाने की प्रतिपूर्ति के लिए अपेक्षित ऐसी राशि, जो सम्यक् अभ्येष्टन के पश्चात्

केन्द्रीय सरकार या महानिदेशक को प्रतीत होता है कि उस व्यक्ति के दोषपूर्ण कार्य या अपेक्षा के कारण हुआ है।

(6) वह राशि जो नियम 56 के उपबन्धों के अधीन उसकी पत्नी या धर्मज श्रम या धर्मज बालकों के भरण पोषण के लिए संवत् की जाने के लिए अपेक्षित है।

(7) कोई ऐसी राशि, जो सम्यक अन्वेषण के पश्चात् महानिदेशक या उस उप महानिदेशक को जिसके अधीन वह व्यक्ति सेवा कर रहा है यह प्रतीत होता है कि तट रक्षक, या रक्षा सेवा में कैंटीन या किसी अन्य संस्था को देय है।

55 तट रक्षक न्यायालयों या अन्य प्राधिकारियों द्वारा अधिनियम कटौतियाँ:—अधिनियम के अधीन किसी व्यक्ति के वेतन और भत्ते से कटौती किसी रक्षक न्यायालय या कमान आफिसर द्वारा अधिनियम के अनुसरण में अधिनिर्णीत जुमाने के किसी आदेश वेतन और भत्ते के समवर्धन या दंड की बाबत की जा सकेगी।

56. पत्नी और बालकों के भरण पोषण का दायित्व:—(1) अधिनियम के अधीन व्यक्ति अपनी पत्नी और अपने धर्मज या धर्मज बालकों का भरण पोषण करने के लिए उस विस्तार तक दायित्ववादी होगा। मानों वह इस प्रकार अधीन न हो किन्तु ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध पारित किसी डिक्ली या दिए गए भरण पोषण आदेश का निष्पादन या प्रवर्तन उसके शरीर, वेतन, आयुक्त, गोलाबन्द उपस्कर, उपकरण या पोशाक के विरुद्ध न हो।

(2) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी,—

(क) जहाँ केन्द्रीय सरकार या महानिदेशक को समाधानप्रदायक से यह प्रतीत होता है कि अधिनियम के अधीन किसी व्यक्ति ने बिना युक्ति-युक्त कारण के अपना पत्नी या ऐसे धर्मज बालकों का, जो स्वयं भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, अधित्याग किया है या उन्हें वीन भवस्था में छोड़ दिया है, या वह दूसरा विवाह करने के कारण, अपनी पत्नी पत्नी के पृथक् भरण पोषण की व्यवस्था करने के लिए वासी हो गया है,

(ख) जहाँ किसी ऐसे व्यक्ति जो अधिनियम के अधीन है या बाद में हो जाता है के विरुद्ध अपनी पत्नी या अपने धर्मज पुत्र या धर्मज बालकों के भरण पोषण के लिए किसी विधि के अधीन कोई डिक्ली या आदेश पारित किया जाता है और डिक्ली या आदेश की एक प्रति केन्द्रीय सरकार या महानिदेशक को भेजी जाती है;

वहाँ केन्द्रीय सरकार या महानिदेशक, ऐसे व्यक्ति जो इस प्रकार अधिनियम के अधीन है, के वेतन के एक भाग की ऐसे वेतन से कटौती करने का और ऐसी रीति से विनियोजित करने का निदेश दे सकेगा जो महानिदेशक पत्नी या बालकों के भरण पोषण के लिए विनिश्चय करे, किन्तु कटौती की गई रकम, डिक्ली या आदेश यदि कोई हो, द्वारा नियत की गई रकम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु उपनियम (2) में निर्दिष्ट भरण-पोषण के लिए किसी डिक्ली या आदेश के मामले में, वेतन से कटौती का निदेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार या महानिदेशक का यह समाधान नहीं हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति को, जिसके विरुद्ध ऐसी डिक्ली पारित हुई है या ऐसा आदेश किया गया है, उस न्यायालय के समक्ष जिसने ऐसी डिक्ली पारित की है या ऐसा आदेश किया है, मामले का प्रतिवाद करने के लिए उपसंज्ञात होने का युक्तियुक्त अवसर दिया गया है या वह स्वयं या सम्यक रूप से नियुक्त किसी विधि व्यवसायी के माध्यम से वस्तुतः हाजिर हो चुका है।

(3) जहाँ उपनियम (2) में निर्दिष्ट किसी डिक्ली या आदेश के अधीन भरणपोषण के बकाया उस दौरान संचित हो गए हैं जब ऐसा व्यक्ति,

जिसके विरुद्ध डिक्ली या आदेश किया गया है, अधिनियम के अधीन है उसकी बाबत बाह्य इस धारा के अधीन उसके वेतन से कटौती की गई हो या नहीं, इन बकायों की वसूली के लिए कोई कार्यवाही किसी न्यायालय में ऐसे व्यक्ति के इस प्रकार अधिनियम के अधीन नहीं रह जाने के पश्चात् तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि न्यायालय का यह समाधान नहीं हो जाता है कि वह उस दिन से पहले जब से वह अधिनियम के अधीन नहीं रह गया है, बकायों या उसके भाग का संदाय करने में समर्थ या किन्तु वह ऐसा करने में असफल हो गया है।

(4) किसी अन्य विधि में किसी बात के होते हुए भी जहाँ किसी ऐसे व्यक्ति, के विरुद्ध जो अधिनियम के अधीन है, भरणपोषण के लिए कोई डिक्ली या आदेश अधिप्राप्त करने के लिए कोई कार्यवाही प्रारंभ होती है, वहाँ न्यायालय, उस व्यक्ति पर तामील के लिए आदेशिका को ऐसे व्यक्ति के कमान आफिसर के पास भेज सकेगा, परन्तु ऐसी तामील तब तक विधिमात्र नहीं होगी जब तक कि उतनी धनराशि, जो विहित की जाए आदेशिका के साथ न भेजी गई हो, जिससे कि वह व्यक्ति कार्यवाही की सुनवाई में हाजिर होने और उस हाजिरी के पश्चात् अपने पोट पर बापस लौटने में समर्थ हो सके।

(5) यदि कार्यवाही में ऐसे व्यक्ति जिस पर आदेशिका की तामील की गई है के विरुद्ध कोई डिक्ली पारित की जाती है या आदेश किया जाता है, तो आदेशिका के साथ भेजी गई रकम को उस व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही के खर्चों के रूप में अधिनिर्णीत किया जाएगा।

(6) इस नियम के अधीन, किसी कार्यवाही में कोई भी आदेशिका किसी ऐसे व्यक्ति, जो अधिनियम के अधीन है, के विरुद्ध विधि, मान्य नहीं होगी, यदि उस पर सब तामील की जाती है जब वह आदेशिकाधीन किसी विदेशी सैन्य पर या भारतीय जलश्रेष्ठों से बाहर सेवा पर है।

(7) आदेशिका की प्राप्ति के प्रमाणपत्र, जो यथा पूर्वोक्त ऐसे कमान आफिसर द्वारा हस्ताक्षरित होना आवश्यक है, का पेश किया जाना, इस बात का साक्ष्य होगा कि आदेशिका सम्पन्न रूप से तामील हो गई है, जब तक कि इसके प्रतिकूल साबित न किया जाए।

8. जहाँ किसी ऐसी डिक्ली या आदेश द्वारा, जिसकी एक प्रति उस नियम (2) के अधीन केन्द्रीय सरकार या महानिदेशक को भेज दी गई है, ऐसे व्यक्ति को जिसके विरुद्ध डिक्ली पारित की गई है या आदेश किया गया है, आदेशिका के साथ खर्चों के रूप में किसी राशि का संदाय करने का निदेश दिया गया है, वहाँ केन्द्रीय सरकार उस रकम के हकदार व्यक्तियों को उस रकम की पूर्ण तुष्टि में संदाय कर सकेगी और केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रकार संदत्त रकम उन व्यक्ति से जिनके विरुद्ध डिक्ली पारित की गई है या आदेश किया गया है, वस्तुनीय लोक मांग के रूप में समझी जाएगी, और उसे वस्तुनी की किसी अन्य पद्धति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, उपनियम (2) द्वारा प्राधिकृत कटौतियों के अतिरिक्त इसके वेतन से कटौती करके वसूल किया जा सकेगा।

9. जहाँ किसी ऐसे व्यक्ति, जो अधिनियम के अधीन है अपनी पत्नी के फायदे के लिए अपने वेतन और भत्तों के किसी भाग का आर्बंटन किया है वहाँ वह आर्बंटन तब तक बन्व या कम नहीं किया जाएगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार या महानिदेशक या कमान आफिसर, का यह समाधान नहीं हो जाता है कि आर्बंटन आगे नहीं किया जाना चाहिए या उसे कम कर दिया जाना चाहिए।

10. इस नियम में "वेतन" पद के अन्तर्गत किसी ऐसे व्यक्ति को जो अधिनियम के अधीन है आवास राशन/रसद, पोशाक और यात्रा भत्ता के बवले में भत्तों से भिन्न उसकी सेवा की वाबत संवेय सभी राशियाँ हैं।

57. कतिपय कटौतियों की सीमा :

ऐसी कटौतियों के सिवाय जब वे नियम 54 के उपनियम (1), (2) और (4) के अधीन की जाती हैं किसी आफिसर या अध्यापनित व्यक्ति

महानिदेशक अपने विवेकानुसार इन नियमों द्वारा प्राधिकृत शेतन और भत्तों से की जाने वाली किसी कटौती से परिहार कर सकेगा।

[फा.सं. एल डब्ल्यू/०२१९]
के. श्रीनिवासम, मंत्र्युक्त सचिव

संक्षरण विह्वलों की, जिन्हें दिया गया, प्रत्यापित किया गया या जिनसे बंजित किया गया, मासिक विवरणी
(कृपया नियम 34 देखें)

सद रक्षक पोत तार ख

सदाचा ९ धिल्ला क. तारखे

1. कार्मिक संख्यांक
2. नाम
3. रैंक
4. जन्म की तारीख
5. वह तारीख जब प्रथम बार रैंक दिया गया
6. बिल्दा रैंक अधिप्राप्त करने की तारीख
7. संगणना के लिए अनुज्ञात
8. संगणना के लिए अनुज्ञात नहीं
9. "बहुत दृष्ट्या आचरण" के प्रारम्भ की तारीख
10. पहले दिए गए सदाचरण बिल्लों की संख्या
11. अंतिम सदाचरण बिल्दा दिए जाने की तारीख
12. अंतिम सदाचरण बिल्दा से वंचित होने की तारीख
13. दिया गया
14. प्रत्यापित
15. वृत्ति और वारंट संख्या
16. टिप्पणियाँ

New Delhi, the 12th November, 1986

S.R.O. 20(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (b) and (c) of sub-section (2) of section 123 of the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978), the Central Government hereby makes the following rules namely:—

PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Coast Guard (Conditions of Service) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) 'Act' means the Coast Guard Act, 1978 (30 of 1978);

(b) 'BUVIK' means Officer-in-Charge of the Bureau of Navika.

(c) 'Coast Guard Region means,—

(i) The Coast Guard Region, West, comprising of the coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the States of Gujarat, Maharashtra, Karnataka, Kerala and the Union territories of Goa, Daman and Diu and Lakshadweep.

(ii) The Coast Guard Region, East, comprising of the coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the States of Andhra Pradesh, Orissa, Tamil Nadu, West Bengal and the union territory of Pondicherry.

(iii) The Coast Guard Region, Andaman and Nicobar Islands, comprising of coastal areas and the maritime zones of India along the coastal areas of the Union territory of Andaman and Nicobar Islands.

CONDITIONS OF SERVICE

CHAPTER I

OFFICERS

3. Appointment.—(1) The Central Government may appoint such persons as it considers to be suitable as officers in the Coast Guard. Officers shall be recruited in accordance with the recruitment rules for various categories of officers.

(2) Procedure for recruitment shall be as promulgated by the Central Government from time to time.

4. Transfers.—(1) After initial appointment to the Service, officers shall be liable for transfer within the service as decided by the Director-General. Officers shall be appointed by the verbal or written orders of the Director-General.

(2) Officers shall not be permitted to select or decline appointment.

(3) Applications to have an appointment cancelled shall not be made except for urgent reasons, which are to be stated fully in writing. If an officer makes such an application, his commanding officer or superior authority shall state whether or not he recommends that the application shall be granted.

(4) Applications for appointments to a particular ship or establishment shall be considered as objectionable and shall not be forwarded to the Director-General but if two officers desire to exchange their appointments, and provided that adequate reasons are given, an application for exchange may be submitted by the commanding officers of the respective ships stating thereon that they have no objection to the request complied with but if they have objections these shall be specified.

(5) The commanding officer shall bear in mind that no application for the discharge or transfer of an officer from his ship, nor for such lengthened leave of absence as to render his return improbable, will be entertained unless he shall certify on the application that he is satisfied with the conduct of such officer. He shall also certify on every application for discharge or transfer, that the request is not made for the purpose of removing the officer from the ship in consequence of any misconduct.

(6) Though the conduct of an officer may not be such as to warrant disciplinary action by Coast Guard Court, he may be considered unsuitable for the appointment he holds, for example through lack of professional ability, personal qualities or conduct. Where his shortcomings compel his Commanding Officer to apply for his relief, the officer shall be fully informed before the application is forwarded to the Director-General. The application must be accompanied by or comprised in a report upon the officer and those adverse parts of the report of which the officer has been informed shall be underlined in red ink. The adverse remarks shall be shown to the officer in accordance with instructions issued by the Director-General from time to time.

5. Officers to report non-availability.—When an officer is not immediately available for employment from any cause whatever, he shall report the fact, for the information of the Director-General through the usual channels.

6. Liability for services.—(1) All officers are liable for service with any other Armed Force of the Union as may be directed by the Government. In selecting officers for such service, preference may be given to volunteers, but if the requisite number of suitable volunteers, is not forthcoming, officers may be detailed as for any other appointment.

(2) All officers are liable for service in any civil or other appointment whether in India or abroad as may be directed by the Central Government.

7. Removal of Commanding Officer.—(1) An officer in command of a ship to which he has been properly appointed shall not, except as hereinafter provided be removed from his command by any superior officer without the prior approval of the Director-General.

(2) Where the circumstances are such which render the removal of an officer from the command of a ship essentially necessary for the public service and

are so urgent as not to permit of prior reference to the Director-General, the Inspector-General under whom the Commanding Officer is serving may direct the removal of the officer from command, reporting the circumstances immediately to the Director-General.

(5) Where a vacancy arises in command of a ship, the Inspector-General concerned may appoint a suitable officer to the command of such ship, reporting the circumstances to the Director-General.

(1) Any appointment made under sub-rules (2) and (3) shall be provisional until the final directions of the Director-General are obtained.

8. Local appointments and Transfers.—Commanders of Coast Guard Regions may order transfer of officers other than commanding officers within the region in exceptional circumstances. Such transfers shall be reported to the Director-General immediately.

9. Training.—(1) On recruitment to the service, officers shall undergo a course of training promulgated by the Director-General.

(2) Selected officers shall be eligible to undergo specialisation courses prescribed for the service.

10. Promotions.—(1) Promotions to various ranks shall be as prescribed in the recruitment rules for each rank.

(2) Seniority, qualifications, procedure for promotions and constitution of Departmental Promotion Committee shall be as promulgated by the Central Government from time to time.

(3) Officers shall be promoted to the next higher rank on fulfilment of conditions/qualifications as promulgated and subject to availability of vacancies in a particular rank.

CHAPTER II

ENROLLED PERSONS

11. Recruitment.—The Director-General may recruit enrolled persons required for the service as per the recruitment rules prescribed for various categories of persons.

12. Liability for service.—(1) All enrolled persons are liable for service with any other Armed Force of the Union as may be directed by the Director-General. In selecting personnel for such service, preference shall be given to volunteers. If the requisite number of suitable volunteers is not forthcoming, persons may be transferred as considered necessary by the Director-General.

(2) All enrolled persons are liable for service in any civil or other appointment whether in India or abroad as may be directed by the Director-General.

13. Transfer of enrolled persons.—(1) Enrolled persons shall be liable for transfer within the service.

(2) The officer-in-charge Bureau of Naviks shall be responsible for issuing transfer orders of enrolled persons and for keeping complete and up-to-date records of the whereabouts of all enrolled persons.

(3) No enrolled person shall be prejudiced in his rank by being transferred to another ship, should there be no equivalent rank in the ship to which he was transferred. In such cases, the person shall be borne as additional.

14. Discharge from ship's book.—(1) No person is to be discharged from the ship's book without the authority of the Director-General, or the Deputy Inspector-General under whom the person is serving except for any of the reasons mentioned in sub-rule (2).

(2) An enrolled person may be discharged from the ship's book without the authority as mentioned in sub-rule (1) in case of death, desertion, transfer, training, sickness, dismissal or sentence of Coast Guard Court.

(3) Unless orders are received to the contrary, all enrolled persons discharged from the ship's book shall be transferred to the Bureau of Naviks for disposal.

15. Transfer between branches.—(1) Transfer from one branch to other may be allowed only, subject to the approval of the Director-General.

(2) The Director-General shall not consider an application for transfer unless :—

- (a) there are vacancies in the branch to which transfer is desired and the training of applicant for the new branch can be arranged,
- (b) the application is recommended by his Commanding Officer and the applicant possesses the prescribed educational qualifications and medical standard for the new branch,
- (c) the transfer is otherwise in the interest of the service.

(3) Application from enrolled persons for transfer from one branch to other shall be submitted to the Officer-in-Charge Bureau of Naviks for onward transmission to the Director-General.

(4) Transfer shall be to the lowest rank in which persons are normally entered in the new branch but may be relaxed at the discretion of the Director-General.

(5) When the transfer is necessary due to medical reasons, the enrolled persons may normally be transferred subject to the above provisions in the equivalent rank.

16. Training.—Persons recruited to the service shall undergo a course of training prescribed by the Director-General from time to time.

17. Promotion.—(1) Enrolled persons shall be eligible for promotion as per the provisions of recruitment rules for various categories of personnel.

(2) Seniority, qualifications, procedure for promotion, reversion and constitution of Departmental Promotion Committee shall be as promulgated by the Central Government from time to time.

(3) Enrolled persons shall be promoted to the next higher rank on fulfilment of conditions/qualifications,

as promulgated and subject to the availability of vacancies.

18. Effect of conviction by civil authorities.—When an enrolled person is convicted by a civil authority and receives any punishment for an offence which has brought disgrace or discredit on the uniform, the service or the position which the person holds, he may be awarded the following penalties with the prior approval of the Inspector-General in Coast Guard headquarters, namely :—

- (a) Break in continuity of very Good Conduct
(The date of break in such cases shall be the date of conviction).
- (b) Award of inferior character on the next occasion of assessment.

CHAPTER III

ASSESSMENT OF CHARACTER AND CONDUCT

19. Assessment of Character.—(1) Enrolled persons shall be assessed for character by the Commanding Officer under one of the following terms on the occasions prescribed in rule 26 :—

Very Good, to be written	V.G.
Very Good (Star) to be written	V.G.*
Good, to be written	Good
Fair, to be written	Fair
Indifferent, to be written	Indifferent
Bad, to be written	Bad

(2) In assessing the character of an enrolled person, the Commanding Officer shall consult the Executive Officer and the Divisional Officer of the enrolled person as well as any other officer who may have special knowledge of the person. He shall fully consider all the entries on page 29 of the service book of the person since the date of the last character assessment and his general character and efficiency.

(3) Where an enrolled person has been transferred from another ship, or has been embarked, immediately preceding the 31st December, the Commanding Officer shall take into consideration the remarks made on his Divisional/Departmental Officers, remarks sheet and assessment of conduct.

(4) Where an enrolled person has been temporarily transferred for any course and is to return to the parent ship, the assessment shall be made by the parent ship.

(5) The actual character assessment to be given to any enrolled person shall be at the discretion of the Commanding Officer, subject to the maximum assessments prescribed in rules 20 to 25 and to any inferior assessment already approved. Any assessment which is below the maximum allowable, for example, "Good" when "Very Good" or "Very Good (Star)", is permissible or "Fair" when "Good" is permissible, shall be underlined by the Commanding Officer in order that there may be no question that the assessment has been made advisedly. When considering such discretionary assessments, the Commanding Officer shall bear in mind that any discretionary assessment involves a break in the continuity of the enrolled per-

son's "Very Good" conduct and therefore has an adverse effect on the award or restoration of badges, and on promotion.

(6) If a sentence be quashed, the sentence originally awarded shall not effect the maximum character assessment for which the enrolled person is otherwise eligible.

(7) If a sentence be reduced, the enrolled person shall be eligible for the maximum character assessment applicable to the reduced sentence.

(8) If a sentence be suspended before a committal order is issued, the effect upon character emitted by the infliction of the suspended sentence shall also be regarded as suspended.

(9) With the exception in Sub-rules (6) to (8) the maximum character assessment shall be governed by the sentence as awarded and shall not be affected by remission earned by the offender or granted by the Government, or by discharge of the offender from prison or detention under section 103 of the Act.

(10) A conviction by the civil authority shall not be taken into consideration in the assessment of character, unless an inferior character was either specially approved or was entailed by any other consequential Coast Guard penalty following conviction by the civil authority as per rule 18.

20. "Very Good".—"Very Good" is the highest character assessment attainable even by the enrolled person whose behaviour has been exemplary throughout the year. It shall not, therefore, be awarded automatically to an enrolled person whose general behaviour has not been satisfactory, merely because he has avoided major punishments.

21. "Very Good (Star*)".—(1) The privilege of a "Very Good (Star*)" character is granted in order that an enrolled person may not, by one slip, forfeit the rewards due to an otherwise unblemished record. The Commanding Officer may assess an enrolled person's character as "Very Good (Star*)" once during his career, notwithstanding that an assessment of "Very Good" has been precluded by deprivation of one Good Conduct Badge.

(2) This privilege shall not be allowed unless the Commanding Officer is entirely satisfied with the behaviour, conduct and work of the enrolled person for the year, apart from the offence which resulted in the punishment mentioned in sub-rule (1).

(3) When an offender's sentence is suspended before committal, he has, having been convicted, made the one slip which the privilege of "Very Good (Star*)" is intended to cover and consequently the character assessment of such an enrolled person for the year in which he has received a suspended sentence shall not be "Very Good".

The assessment may be "Very Good (Star*)" subject to :—

- (a) the provisions regarding effect of suspension of sentences upon consequential penalties;
- (b) the provisions of sub-rule (2) and sub-rule (4);

(c) the effect of any other punishment awarded during the year;

(d) the award of "Very Good (Star*)" not being precluded by a previous award of "Very Good (Star*)".

(4) Enrolled persons who have previously received a character below "Very Good" are not eligible for the concession, nor are enrolled persons who have had an inferior assessment specially altered with the prior approval of the Director-General to "Very Good" unless the alteration followed automatically upon the cancellation of a punishment, and then only with the prior approval of the Director-General.

(5) An enrolled person with previous assessment of "Very Good (Star*)" or below, whose character is being assessed for a year in which he had received a suspended sentence, shall not receive a character higher than "Good".

(6) "Very Good (Star*)" shall be regarded as equivalent to "Very Good" for all purposes which entail consideration of character the asterisk being placed against the award to ensure that no enrolled person received such special consideration more than once during his service.

(7) "Very Good (Star*)" cannot be awarded as discretionary assessment to an enrolled person, whose general behaviour during the year is considered by the Commanding Officer not to warrant an assessment of "Very Good".

22. "Good".—(1) Subject to the provisions of rule 21 for the award of "Very Good", a higher character than "Good" shall not be given to any enrolled person if during the period for which his character is being assessed he has been awarded any of the following punishments, namely :—

- (a) Reduction in rank;
- (b) deprived of one or more Good Conduct Badges;
- (c) sentenced to detention or imprisonment or both less than 30 days.

(2) If an enrolled person has been awarded two or more of the above punishments during the year, it shall be open to the Commanding Officer to award an assessment lower than "Good" if he thinks fit. Such a lower assessment shall be underlined.

(3) A higher character than "Fair" shall not be given to any enrolled person who is discharged from the service as unsuitable.

23. "Fair".—A higher character than "Fair" shall not be given to any enrolled person if during the period for which his character is being assessed has been sentenced to be punished in any of the following ways, namely :—

- (a) Sentenced to detention or imprisonment or both for 31 days or more but less than 60 days;
- (b) dismissed without any additional punishment that could affect his character.

24. "Indifferent".—A higher character than "Indifferent" shall not be given to any enrolled person if during the period for which character is being assessed he has been sentenced to detention or imprisonment or both for 61 days or more.

25. "Bad".—"Bad" character may be given only on discharge from the service to enrolled persons who have been :—

- (a) dismissed or discharged after conviction for particularly vicious offences ;
- (b) dismissed or discharged for misconduct after long records of previous misconduct with several earlier assessments of "Fair" or "Indifferent".

26. Record of character assessment.—(1) The character of every enrolled person borne on the books of a ship shall be recorded on page 23/24 of his service book by the Commanding Officer, who shall insert the entry in his own handwriting and write his signature on the same line as the character awarded, as follows :—

- (a) On the 31st December in each year, except where enrolled persons are waiting trial for desertion.
- (b) On being marked "RUN", but not to be recorded until final discharge from ship's books unless the enrolled person is in desertion on the 31st December of the year in which he is marked "RUN".
- (c) On discharge from the service, except where an enrolled person sentenced to imprisonment is to be discharged direct from the prison to civil life. In such circumstances, his character shall be assessed on the date he is discharged from ship's book.

(2) If an enrolled person dealt with under clause (b) or clause (c) of sub-rule (1) rejoins the service within the year, the assessed character awarded on the 31st December shall cover the whole year, the intermediate character awarded on desertion or discharge being ruled through. This does not apply to recovered deserters awaiting trial at the end of the year; their character shall not be assessed on the 31st December.

27. Reassessment of character.—(1) Assessments higher than those permitted by rules 20 to 25 shall be corrected, with the approval of the Director-General but those properly made by the Commanding Officer in accordance with sub-rule (5) of rule 19 are final and shall not be subject to review unless one of the following conditions is fulfilled, when application may be made to the Director-General for re-assessment, namely :—

- (a) the assessment has come to have an effect which could not have been foreseen at the time it was awarded and which, taking into consideration also the length and quality of subsequent service, is now unduly severe. An application for review on these grounds may be forwarded only within the last year before completion of time for pension or on discharge if earlier. No appli-

cation shall be entertained when the character record during pensionable services includes an assessment below "Good" or more than one assessment other than "Very Good" (for example one "Very Good (Star*)" and "Good" except in very exceptional circumstances (for example because of recognition given for an act of personal gallantry);

- (b) there is good reason to believe that a character assessment which is lower than the highest assessment which could have been given, under rules 20 to 25 was not given advisedly. An application for review on these grounds may be made as soon as possible after the assessment has been communicated. If the application is not made within a reasonable period, it shall include the reasons for the delay ;
- (c) the assessment was unfair or the punishment which affected the assessment was unjust or unduly severe in itself or in its immediate affects. An application for review on these grounds shall follow the procedure prescribed for making complaints. Any such complaints shall be made as soon as possible, while the facts are still ascertainable.

(2) The only applications for the review of character assessment which may be considered after an enrolled person has been released are those relating to the final assessment on discharge and such applications shall be considered only if appeal is made on discharge or within 3 months after the date of discharge. Any enrolled person who expresses dissatisfaction with the assessment given on his discharge shall be warned that any appeal to the Director-General must be made within three months.

28. Assessment of conduct.—(1) An enrolled person's conduct if assessed as Very Good from the date he joins the service an entry to that effect shall be made on page 27/28 of the service book. The standard required for the maintenance of Very Good Conduct is not the same as that for award of Very Good Character, but is a higher and more exacting one. To maintain the standard, a person must have conducted himself with sobriety, diligence and attention

(2) Very Good Conduct is not given by a person's character as assessed on page 23/24 of his service book. Except as provided in clause (c) of sub-rule (1) of rule 29 and subject to the provisions of these rules, the latter part of a year for which character lower than Very Good has been awarded may be regarded by the Commanding Officer as a period of Very Good Conduct

29. Break in continuity of Very Good Conduct.—(1) A break in continuity of Very Good Conduct is obligatory under the following circumstances :—

- (a) When a person is awarded a sentence of dismissal, imprisonment, detention, reduction in ranks or deprivation of Good Conduct Badges. The mere fact of conviction shall constitute a break in the conti-

nuity of the Very Good Conduct regardless of the fact that a sentence is suspended before committal and subsequently remitted partially or wholly. If however, the sentence is proved to be wholly unjustified and is quashed, break in the continuity of Very Good Conduct shall not be obligatory.

- (b) When a discretionary character lower than Very Good is awarded as a consequence of a number of minor offences none of which by itself necessitate a break in the continuity of Very Good Conduct.
- (c) When a Good Conduct Badge is intentionally not awarded when due or after the period of deferment.
- (d) When restoration of the Good Conduct Badge has been intentionally delayed.
- (e) When on conviction by the civil authority any of the penalties as mentioned in rule 18 are awarded.

(2) The commencement and a break in the continuity of very good conduct shall be specifically recorded on page 27/28 of the service book.

(3) The date on which Very Good Conduct is broken and the reason thereof shall communicate to the Officer-in-Charge.

Bureau of Naviks by issue of a Genform immediately on occurrence.

(4) The date of re-commencement of Very Good Conduct after a break in its continuity shall be recorded in the appropriate column on page 27/28 of the service book as per table appended.

TABLE

Cause for break in conduct	Date of recommencement
1	2
(a) Imprisonment/Detention	On the day after release from such prison/detention quarters.
(b) When the sentence of imprisonment/detention is suspended.	On the following day of suspension.
(c) Reduction in rank and deprivation of Good Conduct Badge	On the day after the date of Sentence.
(d) When discretionary character assessment awarded.	The date following the date of award of discretionary character assessment.
(d) Good Conduct Badge not awarded when due or after period of deferment	The day after the person completed the necessary period of service with Very Good Conduct to qualify for consideration for award of the badge in the first place.

1	2
(f) When restoration is intentionally delayed	The day after a person completed the necessary period of service with Very Good Conduct to qualify for consideration in for the restoration of badge in the first place.
(g) Conviction by civil authority	On the day after the date of conviction.

CHAPTER IV

GOOD CONDUCT BADGES

30. Award of good conduct badges.—All enrolled persons shall be eligible for the award of Good Conduct Badges in accordance with these rules. Good Conduct Badge shall not be awarded or restored as a matter of course merely because a person has avoided serious punishments. If the Commanding Officer is satisfied that an enrolled person is fully qualified in accordance with these rules and is deserving of the award, a badge shall be conferred, when due. The maximum number of badges that an enrolled person may earn during his service shall be three.

31. Service qualification.—(1) Before a person can be considered for the award of Good Conduct Badge, he must have completed the following periods of qualifying service :—

- (a) For first Good Conduct Badge—4 years
- (b) For second Good Conduct Badge—8 years
- (c) For third Good Conduct Badge—12 years

(2) The entire service in the Coast Guard shall be reckoned as qualifying service with the exception of time for which pay is not allowed, for example, time lost during which a person has been out of service waiting trial for desertion, extraordinary leave or time during which a person has been out of service for any cause.

NOTE.—Extra-ordinary leave granted on medical certificate or due to inability of the individual to join duty on account of civil commotion will be reckoned as qualifying service.

32. Conduct qualification.—In addition to the qualifying service, a person must have qualified by conduct before being considered for the award of badge. The minimum requirement for the award of each badge is continuous very good conduct during the two years of reckonable service immediately preceding the award of the badge.

33. Additional qualifications.—In addition to the specific conditions laid down in rules 31 and 32, a person must have been properly in continuous possession of the preceding badge/badges for the 12 months of actual service immediately prior to the award of the second or third badge, as the case may be.

34. Commanding Officer's decision regarding award of the second or third badge, as the case may be, shall be considered in accordance with these rules.

the Commanding Officer shall consider the award of badge whether the person applies for the same or not. If the Commanding Officer decides that the person has maintained the requisite standard of conduct and is in all respects deserving badge, he shall award the badge with effect from the due date and record his decision in pencil on page 4 of the service book and on the Good Conduct Badges return as shown in Annexure. On receipt of Good Conduct Badge Return duly verified by the officer in charge Bureau of Naviks, the date of award as confirmed on the return shall be recorded on page 4 of the service book in ink.

(2) If after considering the award of a badge, the Commanding Officer decides that the person has clearly failed to reach the necessary standard (his decision shall operate as a break in the continuity of Very Good Conduct), the Commanding Officer's decision not to award the badge shall be recorded on page 4 of the person's service book alongside para 15. The break in very Good Conduct as well as the date of recommencement of very good conduct shall be recorded on page 27/28 of the service book. This entry shall be made in red ink and signed by the Commanding Officer.

(3) In appropriate cases, however, instead of deciding not to award the badge, the commanding officer may direct the person to appear before him again after a period not less than 3 or more than 6 months. This decision should be noted on page 4 alongside para 15 of the service book and during this period, the person shall not be promoted in rank.

(4) Should the Commanding Officer decide at the end of the period of deferment that the person's conduct during the two years preceding that date may now be considered to have reached the qualifying standard, the badge shall be awarded from the date of such final decision and the entry on page 4 of the service book will be underlined to indicate that the deferment was intentional.

(5) If, however, at the end of the period of deferment, the commanding officer decides that the person's conduct is still below the requisite standard, the continuity of his Very Good Conduct shall be regarded as broken on the day he qualified for consideration of the award in the first instance. The fresh date of recommencement of very Good Conduct, that is to say, the day after the person qualified for consideration in the first instance, shall be entered in red ink on page 27/28 of the service book and signed by the commanding officer.

(6) A person who has received one or more minor punishments not involving a break in the continuity of Very Good Conduct during the two years immediately preceding the award may nevertheless be deemed worthy of badge, if his general conduct and bearing are of the requisite standard. Conversely, although a person may not have been punished, the commanding officer might, in certain circumstances, consider him below the requisite standard.

(7) Before a person is deprived of a Good Conduct Badge, the commanding officer must invariably ascertain whether he is due for the award of any

badges, and if he is due, then the commanding officer should consider the award of the badges with reference to the person's conduct prior to the commission of the offence with which he has been charged. If the conduct of the person so merits, the commanding officer should award the Good Conduct Badge due. The question of deprivation of a badge or badges shall then be considered on the merits of the case.

35. Good Conduct Badge return.—A return in duplicate as per format at Annexure shall be rendered by the commanding officer on first of every month to the officer-in-charge, Bureau of Naviks indicating Good Conduct Badges awarded to the personnel borne on the books of the ship.

(2) The officer-in-Charge, Bureau of Naviks, after verification shall return the original copy of the Return to the commanding officer.

36. Finality of awards by the Commanding Officer.—An award or restoration of a badge authorised by the Commanding Officer in accordance with these rules (duly verified by the Officer-in-Charge, Bureau of Naviks) shall be regarded as final and shall not be altered without prior approval of the Director-General.

37. Good Conduct Pay.—The possession of Good Conduct Badge in accordance with the provisions of these rules shall entitle a person to the Good Conduct Pay attached to the award|awards.

38. Errors in the award of badges.—If a badge has been awarded or restored from an incorrect date, the qualifying period during which that badge must have been held before a further badge can be awarded or restored shall commence from the correct date from which the said preceding badge ought to have been awarded or restored. Over payments, if any, made consequent on erroneous award shall not be recovered.

39. Counting of former service.—(1) Ex-Naval personnel who have been absorbed permanently in the Coast Guard will be allowed to wear Good Conduct Badges earned by them in the Navy. They will also be allowed to count their former service for the award of Good Conduct badge in the Coast Guard subject to a maximum of 3 Good Conduct Badges. Ex-service personnel other than ex-naval personnel, will however, count their time for award of these badges from the date of entry into the Coast Guard service.

(2) Re-employed naval personnel will not enjoy any benefits of former service for the award of Good Conduct badges. They will count their time for the award of these badges from the date of entry into the Coast Guard. However, they will be permitted to wear the Good Conduct Badge(s) earned by them in the Navy without any monetary benefits. These badges will not be worn by persons who have been awarded punishment of detention or reduction to the rank or to a lower rank. The badges may be worn in accordance with sub-rule (2) of rule 40.

40. Restoration of Good Conduct Badges.—(1) Restoration of Good Conduct Badge may be consi-

dered when it becomes due whether the person prefers his claim or not. The procedure in sub-rule (1) of rule 34 for the award of a Good Conduct Badge shall be observed.

(2) One badge may be regained by 6 months Very Good Conduct and additional badges by further period of 6 months reckoned in case from the date of preceding restoration. If a person has been sentenced to deprivation a second time within three years of service after the first deprivation, the qualification shall be 12 months for the first restoration and six months for each subsequent restoration.

(3) Time which does not count for purposes of award shall not be reckoned towards restoration of badges.

(4) It shall be within the discretion of the Commanding Officer to delay the restoration of a badge if at the time restoration would normally be due, a person has failed to reach the required standard of conduct. When restoration of badge is delayed under this sub-rule, the continuity of "Very Good" Conduct shall be regarded as broken on the date on which the person completed six months or twelve months "Very Good" Conduct and a fresh period of qualification commences the following day. This procedure may be repeated until the required standard of conduct is attained. The fact that the restoration of a badge has been delayed shall be noted on page 4 of the person's service book.

(5) When a badge is restored after the normal date, the notation of restoration in the service book shall be under lined to indicate that the restoration has been advisedly delayed.

CHAPTER V

LEGAL ADVICE, ENGAGEMENT OF COUNSEL AND DEFENCE OF PERSONNEL IN CRIMINAL COURTS AND COAST GUARD COURTS

41. Cases in which Coast Guard interested in prosecution.—In cases in which the Coast Guard is directly interested financially or otherwise in the prosecution of an offender in a Criminal Court (whether subject to the Coast Guard Act, 1978 or not), the following procedure shall be followed :—

- (a) either the Advocate General of the State Government where the accused is prosecuted or, when the prosecution is directly controlled from the Coast Guard Headquarters, the Advocate Counsel to the Government of India should be employed, who will if necessary, take further advice from the Advocate General, or the Government Advocate, according to the State in which the prosecution is being conducted;
- (b) no prosecution shall be instituted without adequate legal advice being taken in writing, and that no prosecution shall be instituted or withdrawn in any manner contrary to such legal advice without reference to the Central Government.

42. Prosecuting agency.—In such cases the prosecution will ordinarily be conducted by the Public Prosecutor, the prosecution staff of the Police Department the Government pleader or other Law Officer of the State Government concerned. In which case the expenses of the prosecution will be defrayed by the Government in the ordinary course.

43. Cases where government advocate cannot undertake the prosecution.—When, however, the employment of a Government Advocate or other Law Officer of the State Government concerned is not feasible owing to the nature of the case or for any other reason and the Government Advocate, who is consulted, advises the employment of special counsel, the fees, travelling and daily allowances of the latter may, on the advice of the Government Advocate concerned, be sanctioned by the Director-General who formally engages counsel. The Director-General is also empowered to meet expenditure on court fees, process fees, and the like, on a requisition to be made by the Advocate General or Central Government Advocate etc.

44. Settlement of fees.—The amount of fees agreed upon shall immediately be reported to the Central Government together with an estimate of the total cost involved. On conclusion of the case, a report of the result and a complete statement of costs shall be forwarded to the Central Government.

45. Procedure for defence of enrolled persons.—The following are the rules for the defence of enrolled persons charged with criminal offences, and prosecuted by Government in criminal courts :—

- (a) When enrolled persons are to be tried by a criminal court upon any criminal charges, the Director-General or the Regional Commander shall consult the Chief Metropolitan Chief Judicial Magistrate and arrange with him for the selection and remuneration of advocate.
- (b) Except in cases in which the Central Government are interested, the maximum amount that may be paid to the advocate shall not exceed the amount payable to the Government advocate fixed by the Central Government.
- (c) In a joint trial when the Director-General or the Regional Commander is satisfied that the accused require different lines of defence, he may authorise separate payment of fees for each accused so defended.
- (d) The Director-General or the Regional Commander as the case may be, shall appoint an advocate only in cases where he thinks desirable. The amount to be paid to advocate shall definitely be settled before hand, subject to the above maximum. If suitable advocate cannot be obtained for the remuneration admissible under these rules the case shall be reported to the Central Government with a view to their orders being obtained thereon.
- (e) In High Courts in which advocate may not plead unless instructed by a solicitor, a solicitor may be employed and his bill of

costs, which should include advocates fees subject to the restrictions laid down in clause (b) above shall be submitted to the Central Government Advocate and his certificate obtained that the amount of the bill is reasonable before it is submitted for the orders of the Government.

- (f) When advocate is rightly provided for the defence of an enrolled person at the first trial in a criminal court, counsel can also be provided when considered necessary on appeal, subject to the limitation laid down in clauses (b) and (d) above.

46. Procedure for defence of officers.—When an officer is to be tried by a criminal court upon any criminal charge and the defence of the officer is considered desirable the case shall be reported to the Director-General for obtaining the orders of the Government thereon.

47. Engagement of Counsel for Prosecution in Coast Guard Courts.—If the Director-General or Regional Commander, who convenes a Coast Guard Court consider it necessary to engage a counsel for prosecution of an accused, a suitable counsel shall be appointed as per rules 41 to 46.

CHAPTER VI

SERVICE PRIVILEGES

48. Immunity from attachment.—The arms, clothes, equipment, accountrements or necessities of any person in the Coast Guard service, while subject to the Act, shall not be seized, nor shall the pay and allowances or any part thereof of such person be attached under any process or direction issued, or by the authority of, any court or public servant in respect of any claim, decree or order enforceable against him.

49. Immunity from arrest for debt.—(1) No person in the Coast Guard Service, shall so long as he is subject to the Act, be liable to be arrested for debt under any process or direction issued by, or by the authority of, any court or public servant.

(2) If any such person is arrested in contravention of the provisions of sub-rule (1), the court or public servant by whom or by whose authority such process or direction was issued shall on complaint by the person arrested or by his superior officers enquire into the case and if satisfied that the arrest was made in contravention of sub-rule (1) shall make an order for immediate discharge of the person arrested and may award to the complainant the costs of the complaint to be recoverable in the same manner as if such costs were awarded to him by a decree against the person at whose instance such process or direction was issued.

(3) No court fee shall be payable on a complaint made under sub-rule (2) or for recovery of the costs that may be awarded under that sub rule.

50. Immunity of persons attending Coast Guard Court from arrest.—(1) No presiding officer or other member of the Coast Guard Court, no Law Officer, no party to any proceedings before a Coast Guard Court or no advocate or agent of such party,

and no witness acting in obedience to a summons to attend a Coast Guard Court shall, while proceeding to, attending or returning from, a Coast Guard Court, be liable to arrest under any civil or revenue process.

(2) If any such person is arrested under any such process, he may be discharged by order of the Coast Guard Court.

51. Priority for hearing of cases concerning persons in the Coast Guard Service.—(1) On the presentation to any civil or criminal or revenue court, by or on behalf of any person in the Coast Guard Service while subject to the Act of a certificate from the proper Coast Guard authority of leave of absence having been granted to or applied for by him for the purpose of prosecuting or defending any suit or other proceedings in such court, the court shall, on the application of such person, arrange, so far as may be possible for the hearing and final disposal of such suit, or other proceeding within the period of the leave granted or applied for.

(2) The certificate from the proper Coast Guard authority shall state the first and the last day of the leave granted or applied for and set forth a description of the case with respect to which the leave has been granted or applied for and shall be duly signed and authenticated by such authority.

(3) No fee shall be payable to the court in respect of the presentation of any such certificate, or in respect of any application by or on behalf of any such person for priority for the hearing of his case and every such certificate shall be conclusive evidence of the correctness of the contents thereof.

(4) Where the court is unable to arrange for the hearing and final disposal of the suit or other proceeding within the period of the leave granted or applied for as aforesaid, it shall record its reasons for having been unable to do so, and shall cause a copy thereof to be furnished to such person on his application without any payment whatever by him in respect either of the application for such copy or of the copy itself.

52. Right of the Director-General or Commanding Officer to obtain copies of judgement or orders made by a criminal court.—A criminal court before which any proceedings have been taken against a person in the Coast Guard Service whilst subject to the Act shall, on application by the Director-General or the Commanding Officer of the person, grant copies of the judgement and final orders in the case free of cost and without delay.

CHAPTER VII

DEDUCTION FROM PAY AND ALLOWANCES

53. Deduction from pay etc. not to be made unless authorised.—No deduction other than those authorised by these rules shall be made from the pay, pension, gratuities, allowances and other benefits due to officers and enrolled persons of the Coast Guard.

54. Deduction from pay and allowances.—The following deductions may be made from the pay and allowances of a person subject to the Act without recourse to trial by a Coast Guard Court or by the Commanding Officer, namely :—

(1) All pay and allowances for every day of absence without leave unless an explanation is given to the satisfaction of his Commanding Officer for such absence and approved by Director-General in the case of officers and others by the Deputy Inspector-General under whom the enrolled person is serving.

Provided that the person is not dealt with by a Coast Guard Court or by the Commanding Officer of the person for the said absence.

(2) All pay and allowances for every day while he is in civil, criminal or Coast Guard custody on a charge for an offence of which he is afterwards convicted by a Commanding Officer or Coast Guard Court or criminal court and sentenced to imprisonment or detention.

(3) All pay and allowances for every day while he is in hospital on account of sickness certified by the Commanding Officer or the Medical Officer-in-Charge of the hospital where the individual was hospitalised to have been caused by an act amounting to an offence punishable under the Act :

Provided that such certificate is accepted by the Director-General in the case of Officers and by the Deputy Director-General in the case of enrolled persons.

(4) Any sum required to make good the pay and allowances of any person subject to the Act which he has unlawfully retained or refused to pay.

(5) Any sum required to make good any loss, tenance of his wife or legitimate or illegitimate or property belonging to a Coast Guard or Defence Services, mess, band or institution which after due investigation appears to the Central Government or the Director-General to have been occasioned by the wrongful act or negligence on the part of the person.

(6) Any sum required to be paid for the maintenance of his wife or legitimate or illegitimate children under the provisions of rule 56.

(7) Any sum which after due investigation appears to the Director-General or the Deputy Director-General under whom the person is serving to be due to a Coast Guard or Defence Services mess, canteen, or any other institution.

55. Deductions awarded by Coast Guard Courts and other authorities.—Deductions may be made from the pay and allowances of a person subject to the Act in respect of any sentence of fine, forfeiture or mulcts of pay and allowances awarded in pursuance of the Act by a Coast Guard Court or by the Commanding Officer.

56. Liability for maintenance of wife and children.—(1) A person subject to the Act shall be liable to maintain his wife and his legitimate or illegitimate children to the same extent as if he were

not so subject ; but the execution or enforcement of any decree or order for maintenance passed or made against such person shall not be directed against his person, pay, arms, ammunition, equipment, instruments or clothing.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) :—

(a) where it appears to the satisfaction of the Central Government or the Director-General that a person subject to the Act without reasonable cause deserted or left in destitute circumstances his wife or legitimate children unable to maintain themselves or has by reason of contracting a second marriage become liable to provide separate maintenance to his first wife, or

(b) Where any decree or order is passed under any law against a person who is, or subsequently becomes, subject to the Act for the maintenance of his wife or his legitimate or illegitimate children and a copy of the decree or order is sent to the Central Government or the Director-General ;

The Central Government or the Director-General may direct a portion of the pay of the person so subject to the Act to be deducted from such pay and appropriated in the manner as decided by the Director-General towards the maintenance of wife or children, but the amount deducted shall not exceed the amount fixed by the decree or order, if any :

Provided that in the case of a decree or order for maintenance referred to in sub-rule 2 no deduction from pay shall be directed unless the Central Government or the Director-General is satisfied that the person against whom such decree or order has been passed or made, has had a reasonable opportunity of appearing or has actually appeared either in person or through a duly appointed legal practitioner, to defend the case before the court by which the decree or order was passed or made.

(3) Where arrears of maintenance under a decree or order referred to in sub-rule (2) have accumulated while the person against whom the decree or order has been made is subject to the Act whether or not deductions in respect thereof have been made from his pay under this section, no step for the recovery of these arrears shall be taken in any court after such person has ceased to be so subject unless the court is satisfied that he has, since he ceased to be subject to the Act, the ability to pay the arrears or part thereof and has failed to do so.

(4) Notwithstanding anything contained in any other law, where a proceeding for obtaining a decree or order for maintenance is started against a person subject to the Act the court may send the process for service on that person to the Commanding Officer of such person provided that such service shall not be valid unless there is sent along with the process such sum of money as may be prescribed to enable that person to attend the hearing of the proceeding and to return to his ship after such attendance.

(5) If a decree or order is passed or made in the proceeding against the person on whom the process

served, the sum sent alongwith the process shall be awarded as costs of the proceeding against that person.

(6) No process in any proceeding under this rule shall be valid against a person subject to the Act if served on him after he is under orders for service at a foreign station or beyond Indian waters.

(7) The production of a certificate of the receipt of the process purporting to be signed by such Commanding Officer as aforesaid shall be evidence that the process has been duly served, unless the contrary is proved.

(8) Whereby a decree or order, a copy whereof has been sent to the Central Government of the Director-General under sub-rule (2) the person against whom the decree or order has been passed or made is directed to pay as costs any sum sent alongwith with the process, the Central Government may pay to the person entitled an amount in full satisfaction of that sum and the amount so paid by the Central Government shall be deemed to be a public demand recoverable from the person against whom the decree or order has been passed or made, and without prejudice to any other mode of recovery, may be recoverable by deduction from his pay, in addition to the deduction authorised by sub-rule (2).

(Please see rule 34)

Monthly return of Good Conduct Badges, awarded, restored or deprived

Details of service.

Coast Guard Strip

Date

Date of Good Conduct Badge.

Personal number	Name	Rank	Date of birth	Date when first ranked	Date of attaining badge rank	Allowed to count	Not allowed to count	Date of commencement of "Very Good" conduct	Number of Good Conduct Badges previously awarded	Date of award of last Good Conduct Badge	Date of deprivation of last Good Conduct Badge	Awarded	Restored	Deprived and No. of warrant	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

(9) Where any person subject to the Act has made an allotment of any part of his pay and allowances for the benefit of his wife, that allotment shall not be discontinued or reduced until the Central Government or the Director-General or the Commanding Officer is satisfied that the allotment should no longer be made or should be reduced.

(10) In this rule, the expression "Pay" includes all sums payable to a person subject to the Act in respect of his service other than allowances in lieu of lodgings, rations, provisions, clothing and travelling allowances.

57. Limit of certain deductions:—Except when the deductions are made under sub rules (1), (2) and (4) of rule 54, the total deduction from the pay and allowances of an officer or an enrolled person shall not exceed in any one month one-half of his pay and allowances for that month.

58. Remission of deductions.—Any deductions from the pay and allowances authorised by these rules may be remitted by the Director-General in his discretion.

[F. No. LW/0219]

K. SRINIVASAN, Jr. Secy. (Navy)